छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, शनिवार 31 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-122 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

सेवानिवृत्त सात शासकीय सेवकों को कलेक्टर ने किया सम्मानित

शॉल-श्रीफल एवं पीपीओ-जीपीओ प्रमाण पत्र प्रदान कर स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन की दी शुभकामनाएं



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने आज कलेक्टरेट के अरपा सभा कक्ष में आयोजित सम्मान समारोह में अधिवर्षिकी आयु पूर्ण कर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले सात शासकीय सेवकों को सम्मानित किया।

उन्होंने सभी का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया तथा शॉल, श्रीफल एवं पीपीओ-जीपीओ प्रमाण पत्र प्रदान किए। कलेक्टर ने सेवानिवृत्त शासकीय सेवकों को जीवन की नई पारी के लिए बधाई देते हुए उनके स्वस्थ, सुखमय एवं सुदीर्घ जीवन की कामना की। उन्होंने सेवाकाल के अनुभवों का लाभ समाज एवं परिवार को देने तथा संयमित दिनचर्या अपनाते हुए सक्रिय जीवन व्यतीत करने की शुभकामनाएं दीं।

समारोह में स्वास्थ्य विभाग गौरेला की आरएचओ श्रीमती सुशीला रजक, लोक निर्माण विभाग गौरेला के स्थल सहायक श्री बद्री प्रसाद शुक्ला, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय गौरेला अंतर्गत प्रधान पाठक श्री शंखराम राठौर एवं श्री गोपाल प्रसाद कौशिक, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निमधा के व्याख्याता श्री लखनलाल राजवाड़े, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सरकारीपारा के व्याख्याता श्री जमुना प्रसाद केंवर्त तथा कन्या विद्यालय मरवाही की प्राचार्य श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी, जिला कोषालय अधिकारी श्री धनेंद्र सोनी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

जीवन दीप समिति की कार्यकारिणी की बैठक-बेहतर चिकित्सा सुविधा और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने कलेक्टर ने दिए निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही



कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. की अध्यक्षता में आज जिला चिकित्सालय के सभाकक्ष में जीवन दीप समिति की कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने पिछली बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए जिला चिकित्सालय में बेहतर प्रबंधन एवं मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने समिति के कार्यों में पारदर्शिता एवं सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए गवर्निंग बॉडी का गठन कराने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने सुरक्षित प्रसव पर विशेष जोर देते हुए सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं जिला चिकित्सालय में आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रसव के मामलों में उपलब्ध सुविधाओं के स्तर पर समुचित उपचार किया जाए, जिससे रेफर करने की स्थिति नहीं बने। गंभीर अवस्था में रेफर किए जाने वाले प्रकरणों की जानकारी प्रत्येक माह उन्हें उपलब्ध कराई जाए।

बैठक में लॉन्ड्री मशीन की स्थापना के लिए स्थान चिन्हित करने तथा फायर एग्जिट के लिए रैम्प निर्माण कराने के लिए पूर्व में दिए गए निर्देश का पालन सुनिश्चित करने कहा गया। बैठक में ड्रेसिंग कार्य के लिए शुल्क निर्धारण, ईएनटी ऑडियोमेट्री कक्ष एवं टेक्नीशियन की भर्ती के संबंध में चर्चा की गई। कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग के समन्वय से ईएनटी ऑडियोमेट्री का कार्य कराने कहा। मरीजों को बेहतर शल्य चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जनरल सर्जन की पदस्थापना हेतु शासन को पत्र भेजने पर भी चर्चा हुई। बैठक में आभा आईडी में मरीजों का विवरण दर्ज करने, स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट की सुविधाओं, लैबोरेटरी जांच की स्थिति तथा मर्चुरी कक्ष में अलग से शव विच्छेदक की व्यवस्था सहित विभिन्न चिकित्सा व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई।

कलेक्टर ने चिकित्सालय परिसर में नियमित साफ-सफाई एवं शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सिविल सर्जन को मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के साथ बेहतर समन्वय करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला चिकित्सालय परिसर में बनने जा रहे नया जिला चिकित्सालय भवन के ड्राइंग-डिजाइन का अवलोकन किया तथा संबंधित निर्माण ऐजेंसी को तत्काल लेआउट तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा, सिविल सर्जन डॉ. देवेंद्र पैकरा सहित लोक निर्माण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, सीएसपीडीसीएल एवं नगरीय प्रशासन विभाग के अधिकारी तथा समिति के सदस्य उपस्थित थे।

न्यूज इन शॉर्ट

बिहार के मशरख में पुजारी की गोली मारकर हत्या, ईंटों के ढेर के पास मिला शव



नई दिल्ली। बिहार में सारण जिले से हत्या का एक सनसीखेज मामला सामने आया है. यहां शुक्रवार को एक पुजारी की गोली मार दी गई. मृतक की पहचान वीरेंद्र मिश्रा के 37 वर्षीय पुत्र रवि प्रकाश के रूप में हुई है. हत्या का ये मामला जिले के मशरक थाना क्षेत्र के सेरूकहा गांव का बताया जा रहा है. पुजारी की हत्या की जानकारी मिलते ही इलाके में दहशत फैल गई. वहीं हत्या की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई. जानकारी के अनुसार, रवि प्रकाश को सिर में गोली मारी गई. वो शिव चर्चा कराते थे. हत्या की सूचना पर डीएसपी संजय कुमार सुधांशु, इंस्पेक्टर इंद्रजीत महंतों और थानाध्यक्ष उज्ज्वल कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की।

दिल्ली से बिहार के लिए चलेंगी 50 से ज्यादा लग्जरी बसें, छठ से पहले शुरू होगी सेवा



पटना। गया मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर समेत सात शहरों के लिए बसें चलाई जाएंगी। परिवहन विभाग ने इस संबंध में अंतिम मंजूरी के लिए एलजी तरनजीत सिंह संधू को प्रस्ताव भेजा है। एलजी से मंजूरी मिलने के बाद बस सेवा शुरू करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। परिवहन विभाग के अनुसार, इस योजना के पहले चरण में दिल्ली से बिहार के सात शहरों के लिए सीधा बसें चलाई जाएंगी।दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने बताया कि सरकार का लक्ष्य इस साल छठ से पहले बस सेवा शुरू करने का है। लेकर एक एमओयू पर सहमति बना चुकी है। योजना के तहत पटना, गया, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, पूर्णिया और भागलपुर समेत बिहार के सात स्थान दिल्ली से जुड़ेंगे।लंबी दूरी को देखते हुए फिलहाल इलेक्ट्रिक बसों के बजाय वोल्वो बसें चलाई जाएंगी। इन बसों में यात्रियों के सामान के लिए भी पर्याप्त जगह होगी। सरकार ने दिल्ली से बिहार के बीच बसें चलाने के लिए कुल 18 रूट्स चिन्हित किए हैं।

प्रधानमंत्री से रूबरू हुईं छत्तीसगढ़ की महिला उद्यमी हीना

गुजरात के एकता नगर में आयोजित भारत पर्व में प्रधानमंत्री को बताई बिहान से आर्थिक सशक्तिकरण की कहानी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं आज अपनी मेहनत, उद्यमशीलता और आत्मविश्वास के बल पर सफलता की नई इबारत लिख रही हैं। इसकी एक प्रेरणादायक झलक गुजरात के एकता नगर में आयोजित भारत पर्व 2026 में देखने को मिली, जब कोरिया जिले की महिला उद्यमी एवं मिलेट्स कैफे की संचालिका श्रीमती हीना को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से रूबरू होने और अपनी सफलता की कहानी साझा करने का अवसर मिला। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि किस प्रकार छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान से जुड़कर ग्रामीण महिलाएं आर्थिक आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं।

37 महिलाओं की आजीविका का माध्यम बना कोरिया मिलेट्स कैफे

प्रधानमंत्री श्री मोदी से संवाद के दौरान श्रीमती हीना ने बताया कि कोरिया जिले में उनके द्वारा संचालित मिलेट्स कैफे ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का सशक्त माध्यम बन गया है। इस कैफे से जुड़कर 37 महिलाएं विभिन्न आजीविका गतिविधियों के माध्यम से नियमित आय अर्जित कर रही हैं। कभी सीमित आजीविका के साधनों पर निर्भर रहने वाली ग्रामीण महिलाएं आज अपने हुनर और सामूहिक प्रयासों से स्वरोजगार की नई पहचान बना रही हैं।श्रीमती हीना ने बताया कि छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका



मिशन %बिहान% ने महिलाओं को संगठित होकर आगे बढ़ने और अपनी क्षमताओं को उद्यम में बदलने का अवसर प्रदान किया है। कोरिया मिलेट्स कैफे इसी सामूहिक उद्यमशीलता का सफल उदाहरण है।

श्री अन्न के स्वाद से देशभर में पहुंच रही छत्तीसगढ़ की पहचान

श्रीमती हीना ने प्रधानमंत्री को बताया कि कोरिया मिलेट्स कैफे में मोटे अनाज अर्थात श्री अन्न से विभिन्न प्रकार के पौष्टिक एवं पारंपरिक छत्तीसगढ़ी व्यंजन तैयार किए जाते हैं। इसके माध्यम से एक ओर पोषणयुक्त खानपान को प्रोत्साहन मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ की समृद्ध खाद्य संस्कृति और स्थानीय व्यंजनों को नई पहचान मिल रही है। उन्होंने बताया कि भारत पर्व में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक मिलेट्स व्यंजनों का स्टॉल लगाया गया है। इस स्टॉल के माध्यम से देश के विभिन्न राज्यों से आने वाले आगंतुकों को छत्तीसगढ़ के पारंपरिक स्वाद, स्थानीय खाद्य संस्कृति और ग्रामीण महिलाओं की उद्यमशीलता से परिचित कराया जा रहा है।

राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की महिला शक्ति का गौरव

उल्लेखनीय है कि गुजरात के एकता नगर में 30 अक्टूबर से 15 नवंबर 2026 तक भारत पर्व का आयोजन किया जा रहा है।

बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा हेलिकॉप्टर क्रैश



पायलट समेत 6 यात्रियों की मौत; उत्तराखंड में 10 साल में 12 हादसे, 27 मौतें

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

उत्तराखंड में शुक्रवार को बद्रीनाथ से देहरादून आ रहा एक प्राइवेट कंपनी का हेलिकॉप्टर जोशीमठ के पास क्रैश हो गया। हादसे में पायलट समेत 6 लोगों की मौत हो गई। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं।हेलिकॉप्टर ने दोपहर करीब 1:14 बजे बद्रीनाथ से देहरादून के सहस्त्रधारा के लिए उड़ान भरी थी। जोशीमठ घाटी के ऊपर उड़ान के दौरान उसका संपर्क टूट गया। इसके बाद ट्रैकिंग सिस्टम पर भी उसकी लोकेशन मिलनी बंद हो गई।यह घटना ऐसे समय हुई है, जब उत्तराखंड के कई इलाकों में खराब मौसम बना हुआ है। राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हो रही है।केंद्र सरकार के मुताबिक, 2016 और 2026 के बीच उत्तराखंड में 12 हेलीकॉप्टर हादसे हुए, जिनमें 27 मौतें लोगों की मौत हुई।

खराब मौसम में भी जारी थी उड़ान

खराब मौसम के बाद भी शुक्रवार को बदरीनाथ के लिए उड़ान जारी थीं। दोपहर एक बजकर पांच मिनट एक हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी जो देहरादून पहुंचा। एक बजकर 12 मिनट देहरादून के लिए दूसरे हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरी। जो लापता हो गया। एक बजकर 20 मिनट फिर एक हेलीकॉप्टर ने बदरीनाथ से उड़ान भरी।

पहली कोशिश में उतरा, नौसेना में शामिल करने के लिए ट्रायल सक्सेसफुल

फ्रेंच नेवी के राफेल की INS विक्रांत पर पहली लैंडिंग

एजेंसी ➤ पणजी

राफेल मरीन (राफेल-रू) फाइटर जेट ने 29 अक्टूबर को INS विक्रांत पर पहली कोशिश में सफल लैंडिंग की। INS विक्रांत भारतीय नौसेना का स्वदेशी एयरक्राफ्ट कैरियर है।यह राफेल मरीन फ्रेंच नेवी का लड़ाकू विमान है। इसे फ्रेंच पायलट उड़ा रहे थे। इन ट्रायल्स से भारतीय नौसेना में राफेल मरीन विमान को ऑपरेशनल बनाने की प्रक्रिया शुरू होगी। भारत को अभी तक राफेल मरीन मिला नहीं है।जिस राफेल मरीन ने INS विक्रांत पर लैंडिंग की, उसे फ्रेंच पायलट (दाएं) उड़ा रहे थे। पायलट ने विक्रांत पर मौजूद अफसरों से मुलाकात की। जिस राफेल मरीन ने



लैंडिंग की, उसे फ्रेंच पायलट (दाएं) उड़ा रहे थे। पायलट ने विक्रांत पर मौजूद अफसरों से मुलाकात की।समुद्र में जंगी जहाज से लड़ाकू विमान उड़ाना और उसकी जहाज पर लैंडिंग, सामान्य विमान उड़ाने के मुकाबले बहुत अलग है। राफेल मरीन के मामले में असली चुनौती यही थी कि फ्रांस के लिए तैयार इस विमान को भारतीय जंगी जहाज की तकनीक के अनुकूल बनाया जा सकता है या नहीं। इसमें विमान को उड़ान भरने के लिए कैटापल्ट यानी एक शक्तिशाली लॉन्च सिस्टम की मदद मिलती है। यह विमान को कम दूरी में जरूरी गति हासिल करने में मदद करता है। फ्रांस का चार्ल्स डी गॉल जंगी जहाज इसी तकनीक का इस्तेमाल करता है।

न्यूज इन शॉर्ट

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल में दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष तैयारी

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल ने दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विशेष यात्री सुविधा एवं क्राउड मैनेजमेंट की व्यापक तैयारी की है। मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद ने 28 अक्टूबर 2026 को अधिकारियों के साथ बैठक कर भीड़ प्रबंधन, सेफ्टी तथा यात्री सुविधाओं को लेकर आवश्यक निर्देश जारी किए।बैठक में निर्णय लिया गया कि बिहार की ओर जाने वाली प्रमुख ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में अस्थायी परिवर्तन किया जाएगा तथा 7 पैसेंजर ट्रेनों में 2-2 अतिरिक्त सामान्य श्रेणी के कोच लगाए जाएंगे, ताकि यात्रियों को सुगम एवं सुरक्षित यात्रा की सुविधा मिल सके।बिहार जाने वाली 3 ट्रेनों का प्लेटफॉर्म परिवर्तन दिनांक 4 नवंबर से 14 नवंबर 2026 तक निम्नलिखित ट्रेनें रायपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 7 से प्रस्थान करेंगी। यात्री गुढ़ियारी साइड प्रवेश द्वार से सीधे प्लेटफॉर्म नंबर 7 पर पहुंचकर इन ट्रेनों में आसानी से यात्रा कर सकेंगे।

उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने महानदी भवन, नवा रायपुर, अटल नगर में सभी जिलों के नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर अवैध प्रवासियों की पहचान, निगरानी और रोकथाम के लिए व्यापक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि 15 नवंबर 2026 से 15 जनवरी 2027 तक पूरे प्रदेश में विशेष सघन जांच अभियान चलाया जाएगा।अभियान के दौरान औद्योगिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों, किराए के मकानों, होटलों, लॉज और धर्मशालाओं की जांच होगी। अवैध प्रवासियों को शरण देने, रोजगार उपलब्ध कराने, दूसरे राज्यों से लाने तथा फर्जी आधार कार्ड, पासपोर्ट और अन्य दस्तावेज तैयार कराने वालों के विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। किराएदारों का सत्यापन अनिवार्य करने, फेरीवालों के पंजीयन और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए ग्राम सभाओं एवं पार्षदों का सहयोग लिया जाएगा। अवैध प्रवासियों की पहचान और निगरानी के लिए विशेष सॉफ्टवेयर विकसित किया जाएगा। फर्जी पाए गए आधार कार्ड संबंधित प्राधिकरण के माध्यम से नियमानुसार निष्क्रिय कराए जाएंगे। अवैध प्रवासी पाए जाने पर निर्धारित कानूनी प्रक्रिया के तहत निर्वासन की कार्रवाई की जाएगी। आम जन से संदिग्ध अवैध प्रवासियों की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800-233-1905 पर मांगी गई है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सुशासन सरकार प्रदेश की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून-व्यवस्था मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैगा समुदाय की 26 एकड़ जमीन पर कब्जे का आरोप

कबीरधाम। जिले के पंडरिया विकासखंड के ग्राम चियाडांड में बैगा समुदाय की करीब 26.89 एकड़ कृषि भूमि पर कथित कब्जे और धान की फसल काटने का मामला सामने आया है। इस संबंध में आदिम जाति बैगा समाज छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष ईतवारी राम मछिया ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), पंडरिया को आवेदन सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, ग्राम चियाडांड निवासी कामदार बैगा की कृषि भूमि पर कब्जे और फसल काटने का प्रयास किया जा रहा है। आवेदन में भूमि से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध होने का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया है कि 23 अक्टूबर 2026 को मोहन, मुन्ना और जोगी नामक व्यक्तियों ने खेत में धान काटा।

शिकायतकर्ता पक्ष ने विरोध करने पर गाली-गलौज और धमकी देने का भी आरोप लगाया है। आवेदन में कहा गया है कि पुलिस को सूचना देने और समझाइश दिए जाने के बावजूद 24 अक्टूबर को संबंधित व्यक्ति दोबारा खेत में पहुंचे और धान काटने का प्रयास किया। समाज ने इन आरोपों की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष ईतवारी राम मछिया ने कहा कि बैगा समुदाय की जमीन, सम्मान और अधिकारों की रक्षा समाज की प्राथमिकता है। उन्होंने प्रशासन से भूमि संबंधी दस्तावेजों और शिकायत में बताए गए तथ्यों की जांच कर समयबद्ध कार्रवाई करने की मांग की।मछिया ने कहा कि बैगा समुदाय के किसी भी परिवार की जमीन पर कब्जा करने या उसे हड़पने का प्रयास बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

रेल पार्सल ऐप - घर से घर तक अब घर बैठे बुक करें रेल पार्सल

घर से पिकअप, रेल से परिवहन और घर तक डिलीवरी - ऑनलाइन बुकिंग, डिजिटल भुगतान एवं रियल-टाइम ट्रैकिंग की सुविधा

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर/रायपुर

भारतीय रेल पार्सल सेवा को और अधिक सरल, सुविधाजनक एवं ग्राहक-केंद्रित बनाने की दिशा में एक नई पहल के तहत ÷रेल पार्सल ऐप - घर से घर तक÷ विकसित किया जा रहा है। यह ऐप मोबाइल (एंड्रॉइड एवं आईओएस) तथा वेबसाइट, दोनों माध्यमों पर उपलब्ध होगा। इस ऐप के सुचारु संचालन एवं देशभर में विस्तार के लिए प्रारम्भिक स्तर पर 8 बड़े शहरों पर लागू किया जाएगा । इस ऐप के माध्यम से ग्राहकों को अपना पार्सल लेकर स्वयं रेलवे पार्सल कार्यालय आने और कागजी औपचारिकताएं पूरी करने की आवश्यकता नहीं होगी। रेलवे के साथ जुड़े लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता ग्राहक के घर या प्रतिष्ठान से पार्सल लेकर स्टेशन तक पहुंचाएंगे (फर्स्ट माइल), रेलवे इसे ट्रेन द्वारा गंतव्य स्टेशन तक ले जाएगी (मिडिल माइल) और वहां से लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता इसे प्राप्तकर्ता के पते तक पहुंचाएंगे (लास्ट माइल)। इस प्रकार एक ही ऐप पर संपूर्ण घर-से-घर तक की सेवा उपलब्ध होगी।

प्रारंभिक चरण में यह ऐप देश के 08 प्रमुख शहरों - दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बेंगलुरु एवं पुणे में लागू किया जाएगा। इसके बाद इसे चरणबद्ध



रूप से पूरे देश में विस्तारित करने की योजना है।

रेल पार्सल ऐप की प्रमुख विशेषताएं

* ऑनलाइन बुकिंग ÷ग्राहक अपने मोबाइल नंबर से ऐप पर पंजीकरण कर पार्सल का विवरण, प्रस्थान एवं गंतव्य स्टेशन दर्ज करके बुकिंग कर सकेंगे तथा अपनी पसंद का डिलीवरी पार्टनर स्वयं चुन सकेंगे।
* घर से पिकअप और घर तक डिलीवरी ÷पिकअप (फर्स्ट माइल) एवं डिलीवरी (लास्ट माइल) सेवाएं वैकल्पिक होंगी। ग्राहक ऐप पर पिकअप के लिए उपलब्ध समय-स्लॉट भी देख सकेंगे। पैकिंग एवं भंडारण जैसी अतिरिक्त सेवाएं भी वैकल्पिक रूप से ली जा सकेंगी।
* कागज़ रहित प्रक्रिया ÷ऐप पर दर्ज बुकिंग विवरण ही डिजिटल फॉरवर्डिंग नोट के रूप में मान्य होगा। रेल यात्रा भाग के लिए भौतिक पार्सल वे-बिल की आवश्यकता नहीं होगी; डिजिटल रसीद एवं ओटीपी पर्याप्त होंगे।
* एक ही भुगतान में सभी सेवाएं ÷रेल भाड़ा, पिकअप-डिलीवरी शुल्क एवं अन्य सेवाओं का भुगतान एक ही लेन-देन में यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग आदि डिजिटल माध्यमों से किया जा सकेगा।
* रियल-टाइम ट्रैकिंग ÷प्रत्येक पार्सल को 10 अंकों का विशिष्ट ट्रैकिंग नंबर मिलेगा। पार्सल के लोड होने, ट्रेन के गंतव्य पर पहुंचने तथा पार्सल के डिलीवरी हेतु तैयार होने पर ऐप एवं पंजीकृत मोबाइल नंबर पर स्वचालित सूचना भेजी जाएगी।
* सुरक्षित डिलीवरी ÷पार्सल की डिलीवरी ओटीपी आधारित सत्यापन के माध्यम से की जाएगी।
* बीमा का विकल्प ÷रेल परिवहन भाग के लिए रेलवे नियमों के अनुसार पार्सल का मूल्य घोषित करने/बीमा का विकल्प उपलब्ध रहेगा।

बुकिंग एवं रद्दीकरण संबंधी मुख्य बातें

* पार्सल की बुकिंग ट्रेन के निर्धारित प्रस्थान से अधिकतम 15 दिन पहले से लेकर न्यूनतम 01 दिन पहले तक, स्थान की उपलब्धता के अनुसार, की जा सकेगी।
* पिकअप से पहले बुकिंग रद्द करने पर नियमानुसार राशि रिफ़ंड की जाएगी। पिकअप-डिलीवरी शुल्क की वापसी संबंधित लॉजिस्टिक्स सेवा प्रदाता की रिफंड नीति के अनुसार होगी, जिसकी जानकारी बुकिंग के समय ही दी जाएगी।

रेडक्रॉस सोसायटी में सदस्य संख्या बढ़ाने

स्वास्थ्य जागरूकता शिविर और रक्तदान-अंगदान के प्रचार-प्रसार पर दिया गया विशेष जोर



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के अरपा सभाकक्ष में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी जिला शाखा जीपीएम की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सदस्यता अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने तथा जिला रेडक्रॉस सोसायटी को सशक्त बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यालय संचालन के लिए उपयुक्त भवन चिन्हित करने पर चर्चा की गई। रक्तदान एवं अंगदान के महत्व तथा रेडक्रॉस की सेवाभावी गतिविधियों से आमजन को अवगत कराने के लिए शासकीय आयोजनों में रेडक्रॉस के बैनर तले नुक्कड़ नाटक एवं अन्य जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं एवं जागरूकता का विस्तार करने के लिए रेडक्रॉस मोबाइल मेडिकल यूनिट एवं एम्बुलेंस के माध्यम से प्रतिमाह स्वास्थ्य जनजागरूकता शिविर आयोजित करने पर चर्चा हुई। साथ ही आजीवन संरक्षक सदस्यों एवं प्रमुख दानदाताओं की फोटोयुक्त नामावली प्रदर्शित करने के संबंध में विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान वयोवृद्ध सदस्य श्री सत्यप्रकाश फरमानिया ने अंगदान का संकल्प फॉर्म प्रस्तुत कर मानव सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकेश रावटे, शिक्षा, स्वास्थ्य, लोक निर्माण, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी तथा समिति के सदस्य श्री संजय गुप्ता, श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल, इमरान सिद्दीकी सहित समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे।

जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सूचना का अधिकार अधिनियम पर जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित



एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों के लिए आज एकीकृत आदिवासी विकास परियोजना, गौरेला के सभाकक्ष में सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन तथा शासकीय कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने से संबंधित प्रावधानों की जानकारी दी गई। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स श्री विष्णु प्रसाद कुर्रे एवं श्री अंबुज मिश्रा ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से सूचना का अधिकार अधिनियम की विभिन्न धाराओं एवं प्रावधानों को विस्तार से समझाया। उन्होंने जन सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारी के अधिकार, दायित्व और कर्तव्यों की जानकारी देते हुए आवेदन एवं अपील के निराकरण की प्रक्रिया से अवगत कराया। प्रशिक्षण में सूचना आयोग की शक्तियों, आदेश पारित करने, दंड लगाने तथा जवाबदेही तय करने सहित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यशाला में जिला सूचना अधिकारी सह डिप्टी कलेक्टर श्री देवेन्द्र सिरमोर सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए सरकार का बड़ा फैसला!

धान की जगह दलहन-तिलहन लगाने पर मिलेगा ?15,000 प्रति एकड़

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ के किसानों के लिए अब सिर्फ धान ही नहीं, बल्कि दूसरी फसलों की खेती भी अतिरिक्त आमदनी का अवसर बन सकती है। राज्य सरकार किसानों को धान की जगह दलहन, तिलहन, कोदो-कुटकी और रागी जैसी निर्धारित फसलें उगाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। कृषक उन्नति योजना के तहत खरीफ सीजन में धान के स्थान पर दूसरी पात्र फसल की खेती करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये की आदान सहायता देने का प्रावधान है। कृषि उत्पादन आयुक्त सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी ने अधिकारियों को इस योजना का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। बुधवार, 28 अक्टूबर को रायपुर संभाग की कृषि योजनाओं की समीक्षा के दौरान कृषि उत्पादन आयुक्त ने फसल विविधीकरण की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए केवल पारंपरिक खेती पर निर्भर रहने के बजाय



एमसीबी में मनरेगा कार्यक्रम अधिकारियों के तबादले को लेकर फिर हलचल, मूल पदस्थापना पर लौटने की कोशिशों की चर्चा

अक्टूबर 2024 में प्रशासनिक दृष्टिकोण से किए गए फेरबदल के बाद अब फिर उठे सवाल, जिला पंचायत के 7 अक्टूबर 2026 के आदेश में तीनों अधिकारियों की पदस्थापना का उल्लेख

महेंद्र शुक्ला मनेन्द्रगढ ➤ एमसीबी

जिला पंचायत मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में मनरेगा से जुड़े कार्यक्रम अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर एक बार फिर प्रशासनिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। अक्टूबर 2024 में प्रशासनिक व्यवस्था के तहत किए गए स्थानांतरण के बाद अब संबंधित अधिकारियों की मूल पदस्थापना पर वापसी की कोशिशों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में दबाव बनाए जाने या किसी प्रकार की सिफारिश के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।



जिला पंचायत द्वारा जारी 7 अक्टूबर 2026 के आदेश के अनुसार, विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) के सुचारु क्रियान्वयन के लिए जिले की जनपद पंचायतों में कार्यरत तीन कार्यक्रम अधिकारियों की पदस्थापना में बदलाव किया गया है। आदेश में अधिकारियों को अपने मूल पदस्थापना कार्यालय में तीन दिवस के भीतर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

तीन कार्यक्रम अधिकारियों की पदस्थापना का विवरणजिला पंचायत के आदेश में दर्ज जानकारी के अनुसार–

1. राज नारायण सिंह÷ वर्तमान पदस्थापना जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़, मूल पदस्थापना जनपद पंचायत खड़गवां।
2. कृष्ण प्रताप सिंह÷ वर्तमान पदस्थापना जनपद पंचायत खड़गवां, मूल पदस्थापना जनपद पंचायत भरतपुर।
3. सम्प्रीक गुप्ता÷ वर्तमान पदस्थापना जनपद पंचायत भरतपुर, मूल पदस्थापना जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़।

आदेश पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम के डिजिटल हस्ताक्षर दर्ज हैं। इसमें संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

12 जून 2025 के पत्र में कार्रवाई का प्रस्ताव, एमसीबी के पूर्व कलेक्टर राहुल वेंकट ने सुलेमान खान पर कार्रवाई के लिए भेजा था पत्र, सेवा से पृथक करने की सिफारिश

17 सितंबर 2024 की जांच और पुरानी फाइलों से जुड़ा मामला फिर चर्चा में

महेंद्र शुक्ला मनेन्द्रगढ़ ➤ एमसीबी

एमसीबी जिले के तत्कालीन जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान से जुड़ा मामला एक बार फिर चर्चा में है। पूर्व कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के कार्यकाल में सुलेमान खान के खिलाफ कार्रवाई के लिए भेजे गए पत्र और विभागीय जांच से संबंधित दस्तावेज सामने आने के बाद मामले ने नया मोड़ ले लिया है। उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार, 12 जून 2025 को कलेक्टर कार्यालय से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालक को पत्र भेजकर सुलेमान खान को सेवा से पृथक करने की कार्रवाई का प्रस्ताव रखा गया था।



17 सितंबर 2024 की जांच में क्या सामने आया?

दस्तावेजों के मुताबिक, 17 सितंबर 2024 को मामले की जांच की गई थी। जांच प्रतिवेदन में विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक सुलेमान खान के विरुद्ध कथित मिलीभगत से संबंधित उल्लेख किए जाने की बात सामने आई है। इसके बाद संबंधित व्यक्ति को जांच प्रतिवेदन की प्रति उपलब्ध कराकर अभ्यावेदन भी लिया गया। हालांकि, कलेक्टर कार्यालय के पत्र में उनके जवाब को संतोषजनक नहीं पाए जाने का उल्लेख बताया गया है।

तुलसी अमृत हॉस्पिटल से जुड़ा है मामला

यह पूरा मामला चिरमिरी स्थित तुलसी अमृत हॉस्पिटल से संबंधित पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत कार्रवाई के दौरान फाइल एवं नस्ती से जुड़े विवाद से भी जुड़ा बताया जा रहा है। उपलब्ध दस्तावेजों में 9 अक्टूबर 2024 के कलेक्टर कार्यालय के पत्र का उल्लेख है। वहीं, 21 अक्टूबर 2024 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से भी संबंधित दस्तावेजों और फाइलों के गुम होने के संबंध में पत्राचार किए जाने की बात सामने आई है।

इन दस्तावेजों के आधार पर मामले में प्रशासनिक जांच और पुलिस पत्राचार, दोनों स्तरों पर कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ने के संकेत मिलते हैं।

पुराने पत्राचार के बाद क्या हुई कार्रवाई ?

12 जून 2025 को सेवा से पृथक करने की कार्रवाई का प्रस्ताव भेजे जाने के बाद अब यह सवाल उठ रहा है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के स्तर पर इस मामले में आगे क्या निर्णय लिया गया। क्या सुलेमान खान के विरुद्ध अंतिम विभागीय आदेश जारी हुआ? क्या संबंधित फाइलों और नस्ती प्रकरण की जांच पूरी हो चुकी है? इन सवालों पर संबंधित विभाग की स्थिति स्पष्ट होना जरूरी है।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए ग्राम पंचायत घुटरा का केंद्रीय टीम ने किया निरीक्षण

'बाल हितैषी पंचायत' थीम में नामांकन, पंचायत भवन, आंगनवाड़ी, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं विद्यालयों के अभिलेखों का किया सत्यापन

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत घुटरा का राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार वर्ष 2023-24 के तहत 'बाल हितैषी पंचायत' थीम में नामांकन हुआ है। इसी क्रम में पंचायती राज मंत्रालय, नई दिल्ली के सीनियर पीपीएस सुरिंदर कुमार शर्मा एवं राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी), हैदराबाद की कंसल्टेंट श्रीमती निशा बारी परनामी की संयुक्त टीम ने ग्राम पंचायत घुटरा पहुंचकर विभिन्न संस्थानों का भौतिक निरीक्षण एवं दस्तावेजों का सत्यापन किया।



निरीक्षण के दौरान केंद्रीय टीम ने ग्राम पंचायत भवन, आंगनवाड़ी केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं विद्यालयों में संधारित अभिलेखों का अवलोकन कर संबंधित व्यवस्थाओं की जानकारी ली। टीम ने बाल हितैषी पंचायत थीम के अंतर्गत बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं उनके समग्र विकास से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही पंचायत स्तर पर संचालित गतिविधियों एवं उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ की मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुश्री वैशाली सिंह, जनपद पंचायत के अधिकारी-कर्मचारी, ग्राम पंचायत के सरपंच, पंच, सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, शिक्षक एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार के लिए ग्राम पंचायत घुटरा का नामांकन जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यह निरीक्षण पुरस्कार की मूल्यांकन प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसके माध्यम से पंचायत स्तर पर बच्चों के हित में किए जा रहे कार्यों एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं का सत्यापन किया जा रहा है।

प्रेम, आस्था और समर्पण का पर्व करवा चौथ, सुहागिन महिलाओं ने पति की लंबी उम्र के लिए रखा निर्जला व्रत

करवा चौथ पर सुहागिन महिलाओं में दिखा उत्साह,

एक सत बुलेटिन ➤ मनेन्द्रगढ़

प्रेम, विश्वास, आस्था और दांपत्य जीवन में समर्पण का प्रतीक करवा चौथ का पर्व गुरुवार को पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया।इस अवसर पर सुहागिन महिलाओं ने अपने पति की लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना करते हुए दिनभर निर्जला व्रत रखा।

करवा चौथ को लेकर टी.वी. टावर रोड में भी सुबह से ही महिलाओं में खास उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सजकर हाथों में मेहंदी रचाई और सोलह श्रृंगार कर इस पर्व की खुशियां मनाईं। घरों में पूजा की विशेष तैयारियां की गईं। शाम होते ही महिलाओं ने दुर्गा मंदिर में एकत्रित होकर विधि-विधान से करवा माता की पूजा-अर्चना की और पंडित जी द्वारा करवा चौथ की व्रत कथा सुनी।धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, करवा चौथ का व्रत पति की लंबी आयु और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए रखा जाता है। इस दिन भगवान शिव, माता पार्वती, भगवान गणेश और चंद्रदेव की पूजा का विशेष महत्व है।





दिनभर व्रत रखने के बाद महिलाओं को बेसब्री से चांद निकलने का इंतजार रहा। इस बार मौसम खराब होने के कारण अधिकांशों जगहों पर चांद का दर्शन नहीं होने के कारण लोगों ने भगवान शिव के मस्तक के चंद्रमा, थाली में चंद्रमा बनाकर, भारत देश के अलग-अलग जगह से व्हाट्सएप के माध्यम से चाँद दर्शन कर व्रत तोड़ा। रात्रि में चंद्रमा के दर्शन होते ही महिलाओं ने छलनी से चांद और अपने पति का चेहरा देखा, चंद्रदेव को अर्घ्य अर्पित किया और पति के हाथों जल ग्रहण कर अपना व्रत खोला।

इस दौरान पतियों ने भी अपनी पत्नियों को उपहार देकर उनके प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया।

करवा चौथ का यह पर्व केवल एक धार्मिक परंपरा ही नहीं, बल्कि पति-पत्नी के बीच प्रेम, विश्वास, आपसी समझ और समर्पण के रिश्ते को मजबूत करने का संदेश भी देता है।

इस तरह मनेंद्रगढ़ सहित क्षेत्र में करवा चौथ का पर्व श्रद्धा, उल्लास और पारिवारिक खुशियों के साथ संपन्न हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से जारी की राशि,

पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी, एमसीबी जिले के 27,977 किसानों को मिले 5.62 करोड़ रुपये

पात्र किसानों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से पहुंचे 2-2 हजार रुपये

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत जिले के किसानों को एक बार फिर आर्थिक सहायता का लाभ मिला है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज गुजरात राज्य के बनासकांठा में आयोजित कार्यक्रम से योजना की 24वीं किस्त जारी की गई। इस अवसर पर देशभर के पात्र किसान परिवारों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 2-2 हजार रुपये की राशि अंतरित की गई। योजना के तहत जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के 27,977 पात्र किसानों के बैंक खातों में कुल 5 करोड़ 62 लाख रुपये की राशि



अंतरित की गई है। इससे किसानों को खेती-किसानी से जुड़ी आवश्यकताओं को पूरा करने में आर्थिक सहयोग मिलेगा।

जिले के तीनों विकास खंडों में हुआ कार्यक्रम का सीधा प्रसारण:प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी होने के अवसर पर जिले के तीनों विकासखंडों, जिला सहकारी समितियों एवं लोक सेवा केंद्रों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का वेबकास्ट के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, कृषक समूहों एवं किसानों ने सहभागिता की तथा योजना के अंतर्गत जारी की गई राशि के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

खेती की जरूरतों को पूरा करने में किसानों को मिलेगी सहायता

उप संचालक कृषि ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता तीन समान किस्तों में प्रदान की जाती है। प्रत्येक किस्त में 2 हजार रुपये की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। योजना का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि कार्यों के लिए आर्थिक संबल प्रदान करना है। इस सहायता राशि का उपयोग किसान बीज, खाद, उर्वरक, कीटनाशक एवं अन्य आवश्यक कृषि सामग्री की खरीदी में कर सकते हैं। समय पर आर्थिक सहायता मिलने से किसानों को खेती की तैयारियों एवं कृषि संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सुविधा होगी।

ई-केवाईसी एवं बैंक खाते की जानकारी अद्यतन रखने की अपील

कृषि विभाग द्वारा जिले के सभी किसान भाइयों एवं बहनों से अपील की गई है कि वे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अपना पंजीयन, ई-केवाईसी, आधार से बैंक खाते की लिंकिंग तथा भूमि संबंधी अभिलेखों की स्थिति अनिवार्य रूप से जांच लें। इन प्रक्रियाओं के पूर्ण होने से पात्र किसानों को योजना की आगामी किस्तों का लाभ प्राप्त करने में अनावश्यक परेशानी नहीं होगी।विभाग ने बताया कि जिन किसानों के बैंक खातों में किस्त की राशि प्राप्त नहीं हुई है, वे पीएम-किसान विकल्प के माध्यम से अपने भुगतान की स्थिति की जांच कर सकते हैं। किसी प्रकार की त्रुटि अथवा तकनीकी समस्या होने पर संबंधित कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों से संपर्क कर आवश्यक सुधार कराया जा सकता है। कृषि विभाग ने कहा कि शासन की किसान हितैषी योजनाओं का लाभ जिले के प्रत्येक पात्र किसान तक पहुंचाना विभाग की प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

छ.ग. शासन की सहायक वाचन पुस्तकों के लेखन में मल्लिका रुद्रा का उल्लेखनीय योगदान

एक सत बुलेटिन ➤ मनेन्द्रगढ़



शिक्षा के क्षेत्र में अपनी बुलंद उपस्थिति दर्ज करते हुए, अब कोयलांचल शहर चिरमिरी भी अपनी अमिट छाप दर्ज कर रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश के पाठ्यक्रम निर्धारित करने वाली संस्था छत्तीसगढ़ राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (स्थश्रक्ष) ने कक्षा तीसरी से आठवीं तक के विद्यार्थियों के लिए सहायक वाचन नामक पुस्तक श्रृंखला की पाठ्यपुस्तकें तैयार की है। इन पुस्तकों के लेखन में साहित्यकार एवं डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, चिरमिरी की हिंदी शिक्षिका श्रीमती मल्लिका रुद्रा का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। यह पुस्तकें पूरे छत्तीसगढ़ के सरकारी संस्थानों के विद्यार्थियों द्वारा पढ़ी जा रही हैं। इन पुस्तकों का उद्देश्य विद्यार्थियों में भाषागत दक्षता का विकास करना, उन्हें लोक संस्कृति से जोड़ना और नैतिक मूल्यों की शिक्षा देना है। पुस्तकें सरल भाषा में लिखी गई हैं ताकि बच्चे स्वयं पढ़ सकें, समझ सकें और अपने विचारों को अभिव्यक्त कर सकें। पाठों में सहज भाषा और समृद्ध शब्दावली का प्रयोग हुआ है।

लोक जीवन, परंपरा और छत्तीसगढ़ी संस्कृति को पाठों में समाहित किया गया है। विद्यार्थियों को स्वयं पढ़ने और लिखने की आदत डालने पर बल दिया गया है। कहानियों, कविताओं और संवादों के माध्यम से नैतिक शिक्षा और संवेदनाओं का विकास होगा। मूल्यांकन के लिए खुले प्रश्न दिए गए हैं, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास और अभिव्यक्ति कौशल का विकास हो सके। लेखन समूह में इनके साथ - साथ बलदाऊ राम साहू, विनय शरण सिंह, श्याम नारायण श्रीवास्तव, पोखन लाल जायसवाल, द्रोण साहू एवं श्रीमती प्रिया जोशी ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

चिरमिरी शिक्षा जगत के लिये एक नई भूमिका तैयार कर रहीं श्रीमती मल्लिका रुद्रा के साहित्यिक अनुभव और शिक्षण कौशल ने पुस्तकों को बच्चों के लिए और अधिक रोचक एवं उपयोगी बनाया। उनकी लेखनी ने, न केवल भाषा को सहज बनाया बल्कि बच्चों के लिए सीखने को आनंददायक भी कर दिया। एस.सी.ई.आर.टी. रायपुर का यह प्रयास नई शिक्षा नीति के अनुरूप है, जिसमें स्थानीय परिवेश, संस्कृति और जीवन मूल्यों को शिक्षा से जोड़ने पर बल दिया गया है। इस दिशा में श्रीमती रुद्रा का योगदान शिक्षा जगत के लिए प्रेरणादायी है। पुस्तकों में योगदान

शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों में तेजी लाई जाए - मुख्य सचिव श्री विकासशील

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज मंत्रालय महानदी भवन में राज्य स्तरीय उच्चाधिकारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, कार्यक्रमों और विकास कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की गई तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि सीएम हेल्पलाइन 1076 में दर्ज आम जनता की शिकायतों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। निराकरण के पश्चात इसकी जानकारी सुशासन एवं अभिसरण विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए।



15 नवंबर तक गिरदावरी कार्य पूरा करने के निर्देश

राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि आगामी 15 नवंबर से पूर्व सभी फसलों की गिरदावरी का कार्य पूरी पारदर्शिता के साथ पूरा कर लिया जाए। इसकी जानकारी प्रत्येक ग्राम की ग्राम सभा में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए। यदि किसी किसान के खेत की गिरदावरी छूट जाती है, तो वे ग्राम सभा में आवेदन देकर तत्काल इसे पूर्ण करवा सकते हैं। बैठक में विभिन्न विभागों से जुड़े निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने निर्देश दिए लोक निर्माण विभाग नेनिर्माण कार्यों को समयसीमा में पूरा किया जाए।

राज्योत्सव में दिखेगी विकसित छत्तीसगढ़ की तस्वीर, सरगुजा में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम होंगे मुख्य अतिथि

2 नवंबर को जिला मुख्यालय में होगा राज्य स्थापना दिवस का विशेष आयोजन, 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' थीम पर सजेगा कार्यक्रम स्थल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 2 नवंबर को सरगुजा जिला मुख्यालय में एक दिवसीय राज्योत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, सरगुजा जिले में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय राज्योत्सव कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस अवसर पर राज्य की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

राज्योत्सव 2026 की थीम 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' निर्धारित की गई है। इसके अनुरूप कार्यक्रम स्थल पर महिला सशक्तीकरण, युवाओं के अवसरों और प्रदेश के समग्र विकास को केंद्र में रखकर आयोजन किया जाएगा। विभिन्न विभागों द्वारा विकास योजनाओं, महत्वपूर्ण उपलब्धियों और सफल परियोजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिससे आम नागरिकों को शासन की योजनाओं एवं उनके क्रियान्वयन की जानकारी मिल सकेगी।

जिला स्तरीय राज्योत्सव में कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। साथ ही, शासन की कल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने की भी व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रमों में शालीनता और गरिमा बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि राज्य स्थापना दिवस का आयोजन उत्साहपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो।

राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर 1 से 3 नवंबर तक सरगुजा जिला मुख्यालय स्थित शासकीय भवनों को आकर्षक रोशनी से सजाया जाएगा। इसके लिए संबंधित विभागों को अपने बजट से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है।सरगुजा में आयोजित होने वाला राज्योत्सव प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने का अवसर होगा। 'सशक्त नारी, युवा उड़ान' की थीम के माध्यम से महिला सशक्तीकरण के महत्व को भी रेखांकित किया जाएगा।

सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का प्रतीक बना हुआ है

WE क्लब द्वारा 26वें वर्ष भी परंपरागत रूप से मनाया गया करवा चौथ महापर्व, महिलाओं ने की सामूहिक पूजा-अर्चना

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी WE क्लब द्वारा लगातार 26वें वर्ष करवा चौथ का महापर्व पारंपरिक रीति-रिवाज एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर WE क्लब की वरिष्ठ पदाधिकारी पम्मी अरोड़ा के वार्ड क्रमांक 09 स्थित निवास पर सामूहिक पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों की सुहागिन महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

धार्मिक एवं पारंपरिक विधि-विधान के साथ करवा माता की सामूहिक पूजा की गई।



इस दौरान विद्वान पंडित पिंटू त्रिपाठी द्वारा विधिवत पूजा संपन्न कराई गई।

उल्लेखनीय है कि करवा चौथ का पर्व सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व रखता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की दीर्घायु, सुख-समृद्धि एवं परिवार की खुशहाली की कामना करते हुए निर्जला व्रत रखती हैं। परंपरा के अनुसार महिलाएं सुबह लगभग 4 बजे सरगी ग्रहण कर व्रत का संकल्प लेती हैं और दिनभर निर्जला उपवास रखती हैं। शाम को करवा माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर अपना व्रत पूर्ण करती हैं।

इस अवसर पर पम्मी अरोड़ा के निवास पर नीलम इलाबादी, सुप्रिया, प्रिया शाह, सिमरन गंभीर, शिवांगी, दीक्षा, रितु दुआ, अनुष्का दुआ, रिचा दुआ, ममता सोनी, स्वीटी, सुषमा मिनोचा, गुड़िया, रूबी, बेबी अरोड़ा, हैप्पी अरोड़ा, अनीता दुआ, श्वेता चावला एवं सिमरन अरोड़ा सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।कार्यक्रम में महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर एक-दूसरे को करवा चौथ की शुभकामनाएं दीं। लगातार 26 वर्षों से इस परंपरा का निर्वहन ङ्घश्च क्लब द्वारा किया जाना सामाजिक एकजुटता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का प्रतीक बना हुआ है।

न्यूज इन शॉर्ट

समेकित बाल विकास परियोजना तोकापाल में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका पद पर होगी भर्ती

जगदलपुर।जिले के समेकित बाल विकास परियोजना तोकापाल द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों में रिक्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु 02 नवम्बर से 16 नवम्बर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है। जिसके तहत मेडिकल कॉलेज डिमरापाल में संचालित पालना केन्द्र के लिए पालना क्रेश कार्यकर्ता सहित ग्राम पंचायत सालेपाल के अंतर्गत तुमपानी आंगनबाड़ी केन्द्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और ग्राम पंचायत टाहकापाल के अंतर्गत कोटवारपारा टाहकापाल आंगनबाड़ी केन्द्र में आंगनबाड़ी सहायिका एवं बुरूँगपाल ग्राम पंचायत के अंतर्गत गुर्राम आंगनबाड़ी केंद्र में आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर भर्ती किया जाना है। इन पदों पर भर्ती के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों के मूल निवासी महिला अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पालना क्रेश कार्यकर्ता और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पद के लिए अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण होना आवश्यक है और आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु 8 वीं उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इन पदों पर भर्ती के लिए अनुभवी सहित विधवा, परित्यक्त व तलाकशुदा महिलाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। उक्त पदों पर भर्ती संबंधी विस्तृत जानकारी समेकित बाल विकास परियोजना कार्यालय तोकापाल, जनपद पंचायत कार्यालय तोकापाल सहित संबंधित ग्राम पंचायतों के कार्यालयों के सूचना पटल पर चस्पा विज्ञापन का अवलोकन किया जा सकता है। उक्त भर्ती संबंधी जानकारी देने के लिए संबंधित ग्राम पंचायतों के आश्रित ग्रामों में कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराए जाने कहा गया है।

द्वीप्ति योजना से छत्तीसगढ़ की 801 महिलाएं बनेंगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण महिलाएं अब स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की नई इबारत लिख रही हैं। कभी स्व-सहायता समूहों के माध्यम से पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से जुड़ी महिलाएं अब सौर ऊर्जा जैसे आधुनिक तकनीकी क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में संचालित 'द्वीप्ति योजना' ग्रामीण महिलाओं को ऊर्जा उद्यमी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से जोड़कर छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में तैयार किया जा रहा है। ये महिलाएं गांव-गांव सौर ऊर्जा का उजियारा पहुंचाने के साथ आर्थिक आत्मनिर्भरता की नई राह पर आगे बढ़ रही हैं।महिलाओं को 'सोलर दीदी' के रूप में चिन्हांकित किया गया है। वहीं 19 संकुल स्तरीय संगठनों (सीएलएफ) का सोलर वेंडर के रूप में पंजीयन किया जा चुका है। राज्य के विभिन्न जिलों में 94 सोलर सिस्टम स्थापित किए जा चुके हैं तथा 415 सोलर स्थापना के प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं। यह प्रगति दर्शाती है कि ग्रामीण महिलाओं के नेतृत्व में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की यह पहल अब धरातल पर आकार ले रही है। द्वीप्ति योजना का पूरा नाम 'डिसेंट्रलाइज्ड वूमेन एम्पावरमेंट ऑन एनर्जी एंड पॉलिसी फॉर ट्रांसफॉर्मेटिव इन्क्लूजन' है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा तकनीकी सहयोगी संस्था ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया के साथ ग्रीन इकोनॉमी ट्रांजिशन मिशन के अंतर्गत विकसित इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को अक्षय ऊर्जा क्षेत्र की मुख्यधारा से जोड़ना है।योजना की विशेषता यह है कि इसमें महिलाओं को केवल सरकारी योजनाओं का लाभ लेने वाली हितग्राही नहीं, बल्कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में वेंडर, तकनीशियन, प्रबंधक और उद्यमी के रूप में विकसित किया जा रहा है। महिला स्व-सहायता समूहों के संकुल स्तरीय संगठनों को अधिकृत सोलर वेंडर के रूप में पंजीकृत कर उन्हें व्यवसाय संचालन का अवसर दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए पारंपरिक आजीविका से आगे बढ़कर तकनीक आधारित रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। इस पहल के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ महिलाओं को स्थायी आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। महिला संकुल संगठनों को उद्यम के रूप में विकसित कर उन्हें सोलर सिस्टम की स्थापना, संचालन और रखरखाव जैसी सेवाओं से जोड़ने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

485 बसाहटों को मिलेगी बारहमासी सड़कें

दीपावली से पहले बस्तर को सड़क विकास की बड़ी सौगात

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

दीपावली से पहले बस्तर संभाग के दूरस्थ, दुर्गम और जनजातीय क्षेत्रों में सड़क संपर्क के विस्तार की दिशा में केंद्र सरकार से महत्वपूर्ण उपलब्धि मिली है। बस्तर की 485 बसाहटों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्वीकृति मिल चुकी है, वहीं 280 अन्य बसाहटों को बारहमासी सड़कों से जोड़ने के लिए 804.06 करोड़ रुपए की लागत के 263 सड़क कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बस्तर में नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक अभियान के साथ विकास की गति को तेज करने तथा दूरस्थ गांवों को मुख्यधारा से जोड़ने के राज्य सरकार के प्रयासों को केंद्र सरकार का सहयोग मिल रहा है।



उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा द्वारा बस्तर संभाग की विशेष भौगोलिक परिस्थितियों, नक्सलवाद से मुक्त हुए गांवों की आवश्यकताओं तथा सड़क एवं पुल संपर्क के विस्तार को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र के माध्यम से इन क्षेत्रों के लिए विशेष पहल करने के लिए आग्रह किया था, जिसपर पर केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने पत्र द्वारा सकारात्मक रुख प्रदान किया है। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने अपने पत्र में बस्तर में सड़क संपर्क विस्तार की प्रगति, स्वीकृत कार्यों, प्रस्तावित सड़कों एवं पुलों तथा विशेष छूट के संबंध में की जा रही कार्यवाही की विस्तृत जानकारी दी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बस्तर के विकास के प्रति केंद्र सरकार की संवेदनशीलता और सकारात्मक पहल के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी तथा केंद्रीय ग्रामीण विकासमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बस्तर की 1,168 बसाहटों में सड़क संपर्क के लिए विभिन्न चरणों में कार्यवाही

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया है कि वर्तमान में बस्तर संभाग की 1,168 बसाहटों से संबंधित सड़क कार्य विभिन्न चरणों में किया जा रहा है। इनमें से 485 बसाहटों के कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के बैच-2 के अंतर्गत 280 बसाहटों को जोड़ने के लिए 263 सड़क कार्यों के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन सड़कों की कुल लंबाई 841.825 किलोमीटर तथा अनुमानित लागत 804.06 करोड़ रुपए है। वहीं लगभग 474 अन्य चिन्हांकित बसाहटों के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के प्रथम बैच में बस्तर संभाग की 234 बसाहटों के सड़क कार्यों को स्वीकृति मिल चुकी है। इनमें बस्तर जिले की 87, बीजापुर की 44, दंतेवाड़ा की 12, कांकेर की 41, कोण्डागांव की 34 तथा सुकमा की 16 बसाहटें शामिल हैं।

754 और बसाहटों तक पहुंचेगी बारहमासी सड़क, सातों जिलों में प्रस्ताव तैयार

पीएमजीएसवाई-4 के दूसरे बैच में बस्तर जिले की 114, बीजापुर की 125, दंतेवाड़ा की 63, कांकेर की 140, कोण्डागांव की 31, नारायणपुर की 136 और सुकमा की 146 बसाहटों को सड़क संपर्क उपलब्ध कराने के प्रस्ताव शामिल हैं। इसके लिए ग्रामीण सड़क सर्वे ऐप द्वारा सर्वे के साथ गति शक्ति योजना के साथ जोड़ने का काम भी किया जा रहा है। इन प्रस्तावित सड़कों के निर्माण से विशेष रूप से अंदरूनी वनांचल क्षेत्रों में परिवहन सुविधाओं का विस्तार होगा। ग्रामीणों को स्वास्थ्य केंद्रों, विद्यालयों, आंगनबाड़ी केंद्रों, बाजारों और प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंचने में सुविधा होगी। साथ ही कृषि उपज के परिवहन, स्थानीय व्यापार और ग्रामीण आजीविका के नए अवसर विकसित होंगे।

पुल निर्माण को भी मिलेगी गति, 373 पुलों के प्रस्तावों पर हुई चर्चा

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने पत्र में बताया है कि पीएमजी एसवाई-4 के बैच-1 के अंतर्गत 206 पुलों तथा पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत 167 पुलों के प्रस्तावों पर विचार करने के लिए अधिकार प्राप्त समिति की बैठक आयोजित की गई थी। इन प्रस्तावों को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि बस्तर संभाग के लिए 55 लंबे पुलों के प्रस्ताव किए गए हैं। इसके अतिरिक्त आगामी चरणों के लिए भी पुल निर्माण की कार्ययोजना तैयार की गई है। नारायणपुर जैसे दुर्गम जिले में पीएम-जनमन के अंतर्गत 22 लंबे पुलों के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं, जिनकी अनुमानित लागत लगभग 87.45 करोड़ रुपए है। इन पुलों के निर्माण से वर्षा ऋतु में नदी-नालों के कारण कट जाने वाले गांवों को बड़ी राहत मिलेगी तथा दूरस्थ बसाहटों के लिए आवागमन सुगम हो सकेगा।

नक्सलमुक्त गांवों के लिए विशेष छूट के लिए पहल

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बस्तर संभाग की विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों की ओर पत्र द्वारा केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया था। बस्तर के घने जंगलों और दूर-दूर तक फैली छोटी बसाहटों में अनेक ऐसे गांव हैं, जिनकी जनसंख्या 100 से भी कम है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के प्रचलित जनसंख्या संबंधी मापदंडों के कारण ये गांव बारहमासी सड़क संपर्क की पात्रता से वंचित रह जाते हैं। उप मुख्यमंत्री ने नक्सलवाद से मुक्त हुए गांवों में विकास कार्यों को तेज गति से पहुंचाने के लिए विशेष छूट प्रदान करने का अनुरोध किया था।

बस्तर संभाग में कौशल विकास के माध्यम से शांति

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में शांति, विकास और आत्मनिर्भरता की नई तस्वीर उभर रही है। कभी नक्सल हिंसा और चुनौतियों से प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब युवाओं के हाथों में हुनर और भविष्य के प्रति नया विश्वास दिखाई दे रहा है। राज्य सरकार की मंशा है कि बस्तर का प्रत्येक युवा अपनी प्रतिभा और मेहनत के बल पर आगे बढ़े तथा विकास की मुख्यधारा में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे

आत्मनिर्भरता और समृद्धि की नई पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा आत्मसमर्पित माओवादियों (पुनर्वासितों) और नक्सल प्रभावित परिवारों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। सरकार की इस पहल से पुनर्वासितों को सम्मानजनक आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के साथ ही बस्तर में स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त हो रहा है।

राज्य सरकार द्वारा बस्तर संभाग के पुनर्वासितों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विशेष कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत कुल 7,567 आत्मसमर्पित माओवादियों में से अब तक 2,323 को विभिन्न व्यवसायों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। यह प्रशिक्षण मुख्य रूप से बीजापुर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बस्तर, नारायणपुर, कांकेर, कोंडागांव और गरियाबंद जिलों में दिया गया है।प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं को असिस्टेंट इलेक्ट्रिशियन, राजमिस्त्री, सोलर पीवी इंस्टॉलर (सूर्यमित्र), दोपहिया एवं चारपहिया वाहन मरम्मत तकनीशियन तथा सिलाई मशीन ऑपरेटर जैसे रोजगारोन्मुखी व्यवसायों में दक्ष बनाया जा रहा है। इन पाठ्यक्रमों से युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने में सहायता मिल रही है।बस्तर के दूरस्थ एवं नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में संचालित नियद नेल्ल नार योजना 2.0 विकास और विश्वास का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत 10 जिलों में अब तक कुल 1 लाख 11 हजार 165 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जबकि 50 हजार 53 युवाओं को नियोजित किया गया है। योजना के तहत आत्मसमर्पित माओवादियों में से 1,267 युवाओं को प्रशिक्षण दिया गया है तथा 461 युवा प्रशिक्षणरत हैं। वहीं 779 नक्सल हिंसा से प्रभावित हितग्राहियों को प्रशिक्षित किया गया है और 191 हितग्राही वर्तमान में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह पहल प्रभावित परिवारों को आजीविका के नए अवसर प्रदान करने के साथ उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के पुनर्वास में कौशल प्रशिक्षण एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित हो रहा है।

नागरिकों को मिल रही राहत

शासकीय योजनाओं का लाभ लेने में मिलेगी सुविधा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल क्रांति और सुशासन की दिशा में महत्वाकांक्षी पहल सेवा सेतु पोर्टल नागरिकों को आवश्यक शासकीय दस्तावेज उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में श्री पंकज नेताम की पुत्री दिनेश्वरी नेताम का गोंड जनजाति का जाति प्रमाण पत्र बनाया गया है। जाति प्रमाण पत्र प्राप्त होने से उन्हें शिक्षा, छात्रवृत्ति एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं का पात्रतानुसार लाभ लेने में सुविधा मिलेगी।

जाति प्रमाण पत्र बनने से भविष्य की राह हुई आसान

दिनेश्वरी नेताम को शैक्षणिक एवं अन्य आवश्यक शासकीय कार्यों के लिए जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। जाति प्रमाण पत्र बनने से अब उन्हें अपनी जनजाति संबंधी पहचान प्रमाणित करने के लिए आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध हो गया है। इससे भविष्य में शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश, छात्रवृत्ति एवं अन्य पात्रतामूलक शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

शासकीय सेवाओं की पहुंच से नागरिकों को मिल रही सुविधा

छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल सेवा व्यवस्था का उद्देश्य आम नागरिकों को आवश्यक प्रमाण पत्र एवं अन्य शासकीय सेवाएं सरल, सुगम और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराना है। दिनेश्वरी नेताम का गोंड जनजाति का जाति प्रमाण पत्र बनना इस दिशा में एक सकारात्मक उदाहरण है। आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध होने से पात्र हितग्राहियों के लिए शैक्षणिक एवं सामाजिक कल्याण संबंधी योजनाओं तक पहुंच आसान होती है।

सेवा सेतु पोर्टल से आसान हुई पटाखा बिक्री लाइसेंस की राह, बालकुमार को मिली बड़ी राहत

'स्थानीय स्तर पर ग्राम पंचायत में मिली ऑनलाइन आवेदन की सुविधा'

'डिजिटल सेवाओं से ग्रामीणों का जीवन हो रहा आसान, सेवा सेतु केंद्र बना सुशासन की मिसाल'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी सेवा सेतु पोर्टल व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिक सेवाओं को सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। अब ग्रामीणों को विभिन्न शासकीय सेवाओं और आवश्यक दस्तावेजों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ रही है। इसकी एक सकारात्मक मिसाल खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले की छुईखदान तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत सुराडबरी में देखने को मिली, जहां किराना व्यवसायी श्री बालकुमार जंघेल को सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से पटाखा एवं फुलझड़ी बिक्री का लाइसेंस आसानी से प्राप्त हुआ।



ग्राम पंचायत में ही मिली लाइसेंस आवेदन की सुविधा'

ग्राम पंचायत सुराडबरी निवासी श्री जंघेल गांव में किराना दुकान संचालित करते हैं। पटाखा एवं फुलझड़ी की बिक्री के लिए उन्हें आवश्यक लाइसेंस की जरूरत थी। सेवा सेतु पोर्टल ने उनकी राह आसान कर दी। उन्होंने अपने ही ग्राम पंचायत में संचालित सेवा सेतु केंद्र के संचालक वीएलई श्री नरेंद्र सेन से संपर्क किया और आवश्यक दस्तावेज जमा किए। केंद्र के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके बाद कुछ ही दिनों में उन्हें पटाखा बिक्री का लाइसेंस प्राप्त हो गया।

समय और अनावश्यक भागदौड़ से मिली राहत'

श्री जंघेल ने बताया कि सेवा सेतु केंद्र के माध्यम से आवेदन करने की प्रक्रिया बेहद सरल और सुविधाजनक रही। उन्हें लाइसेंस प्राप्त करने के लिए कहीं अन्यत्र जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। गांव में ही आवेदन की सुविधा उपलब्ध होने से उनके समय और अनावश्यक भागदौड़ की बचत हुई।

'मुख्यमंत्री जशपुर एक्सप्रेस योजना से मिला आत्मनिर्भरता का नया रास्ता,

'ई-रिक्शा ने बदली संगीता देवी की जिंदगी, स्वरोजगार से बनीं लखपति दीदी'

हर महीने कमा रहीं 15 से 18 हजार रुपये की शुद्ध आय'

'बिहान मिशन से जुड़कर संगीता ने बदली परिवार की आर्थिक तस्वीर, अब दूसरी महिलाओं को भी कर रहीं स्वरोजगार के लिए प्रेरित'

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध करा रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के सहयोग से महिलाएं पारंपरिक आजीविका गतिविधियों से आगे बढ़कर नए व्यवसायों में अपनी पहचान बना रही हैं। जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड की ग्राम पंचायत छेरडाढ़ निवासी श्रीमती संगीता देवी इसकी प्रेरणादायक मिसाल हैं। कभी परिवार की जरूरतों और कृषि कार्यों के लिए स्व-सहायता समूह से छोटे-छोटे ऋण लेने वाली संगीता आज स्वयं ई-रिक्शा चलाकर प्रतिमाह 15 से 18 हजार रुपये की शुद्ध आय अर्जित कर रही हैं। अपनी मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने लखपति दीदी बनने का सफर तय किया है।



'बिहान से जुड़कर शुरू हुआ आत्मनिर्भरता का सफर'

श्रीमती संगीता देवी वर्ष 2018 में दीपक स्व-सहायता समूह के माध्यम से बिहान मिशन से जुड़ी थीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें नियमित बचत, ऋण सुविधा और आजीविका संवर्धन के विभिन्न अवसरों की जानकारी मिली। शुरुआत में उन्होंने समूह से छोटे-छोटे ऋण लेकर कृषि कार्यों और परिवार की आवश्यकताओं को पूरा किया। धीरे-धीरे उनके मन में स्वयं का व्यवसाय शुरू करने और परिवार की आय बढ़ाने की इच्छा मजबूत होने लगी।

संगीता ने महसूस किया कि खेती-किसानी के साथ यदि आय का कोई स्थायी वैकल्पिक साधन विकसित किया जाए, तो परिवार की आर्थिक स्थिति को और बेहतर बनाया जा सकता है। इसी सोच के साथ उन्होंने दुलदुला के संकुल संगठन के समक्ष ई-रिक्शा उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने बताया कि दुलदुला से पतराटोली मार्ग पर यात्रियों की अच्छी आवाजाही रहती है और इस मार्ग पर ई-रिक्शा संचालन से रोजगार की बेहतर संभावनाएं हैं। उनकी इस पहल ने आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का नया रास्ता खोला।

'मुख्यमंत्री के हाथों मिला ई-रिक्शा, जीवन में आया बड़ा बदलाव'

संगीता देवी की इच्छाशक्ति, स्वरोजगार के प्रति रुचि और आजीविका की संभावनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री जशपुर एक्सप्रेस योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 में उन्हें बैटरी संचालित ई-रिक्शा उपलब्ध कराया गया। रक्षाबंधन के अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के हाथों ई-रिक्शा प्राप्त करना उनके जीवन का यादगार क्षण बन गया।

ई-रिक्शा मिलने के बाद संगीता ने इसे केवल यात्रियों के आवागमन का साधन नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्वतंत्रता और परिवार की खुशहाली का आधार बना लिया। उन्होंने स्वयं ई-रिक्शा चलाने का निर्णय लिया और पूरे आत्मविश्वास के साथ इस व्यवसाय की शुरुआत की। आज वे दुलदुला से पतराटोली मार्ग पर ई-रिक्शा का संचालन कर रही हैं और अपने परिश्रम से नियमित आय अर्जित कर रही हैं।

प्रतिदिन 700 से 800 रुपये की आमदनी, हर महीने 18 हजार रुपये तक शुद्ध आय'

पिछले करीब एक वर्ष से ई-रिक्शा चला रहीं संगीता देवी को प्रतिदिन लगभग 700 से 800 रुपये की आमदनी हो रही है। ई-रिक्शा 18 हजार रुपये की शुद्ध आय अर्जित कर रही हैं।

कौन हैं मनीषा भानवाला जो बनीं वर्ल्ड चैंपियन, पहली बार किसी भारतीय महिला ने जीती दुनिया



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

हरियाणा की जिंद की पहलवान मनीषा भानवाला ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने कजाकिस्तान के अस्ताना में वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीत लिया।

भारतीय पहलवान मनीषा भानवाला ने इतिहास रच दिया है। कजाकिस्तान के अस्ताना में वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में उन्होंने गोल्ड मेडल हासिल किया है। महिलाओं के 59 किलोग्राम वर्ग में मनीषा ने फाइनल में जीत हासिल की। अमेरिका की अबिगेल नेट को हराकर उन्होंने वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। मनीषा भानवाला वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय महिला रेसलर हैं। सुशील कुमार के बाद पहली बार किसी खिलाड़ी ने वर्ल्ड चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। सुशील कुमार ने साल 2010 में 66 किलो वर्ग में वर्ल्ड चैंपियन बनने का कमाल किया था। बता दें फाइनल मैच में मनीषा भानवाला एक समय 0-6 से पीछे थीं लेकिन उन्होंने चमत्कारिक वापसी करते हुए 8-6 से जीत हासिल कर ली।

मनीषा भानवाला का सफर

मनीषा भानवाला ने साल 2013 में कुश्ती करियर शुरू किया था। उनके पिता सुरेश ने उन्हें फिटनेस सुधारने के लिए कुश्ती में भेजा लेकिन धीरे-धीरे मनीषा को अपने टैलेंट का एहसास हुआ और वो प्रोफेशनल रेसलर बन गईं। मनीषा के साथ साल 2022 में एक ऐसी घटना हुई जिसने उन्हें अंदर तक हिला दिया। ये खिलाड़ी 2022 में एशियाई चैंपियनशिप के लिए रवाना होने वाली थीं और इससे पहले उनके पिता का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। मनीषा के पिता उनके करियर के शुरुआती दौर में ही उनका साथ छोड़कर चले गए लेकिन इस खिलाड़ी ने हार नहीं मानी।

एशियन गेम्स में लगा झटका

मनीषा भानवाला को एशियन गेम्स 2026 में भी बड़ा झटका लगा। इस खिलाड़ी ने एशियन गेम्स में मेडल जीतने के लिए काफी मेहनत की थी। वो लंबे समय तक अपने घर भी नहीं गईं कारी फुजिनामी से हार का सामना करना पड़ा।

बेटियों ने फिर लहराई पताका, पैरा एशियन गेम्स में मेडल जीतकर रच दिया इतिहास



नई दिल्ली। खेल के मैदान में हर मुकाबला खिलाड़ी के कौशल, तकनीक और धैर्य की परीक्षा लेता है। पैरा स्पोर्ट्स में यह चुनौती और भी खास होती है, जहां खिलाड़ी अपनी शारीरिक क्षमताओं के अनुरूप तकनीक और अभ्यास से खेल में नए मानक स्थापित करते हैं।हाल ही में जापान में संपन्न एशियन पैरा गेम्स में भारतीय बेटियों ने अपने प्रदर्शन से इसे साबित किया। तीरंदाजी से लेकर एथलेटिक्स, शूटिंग, बैडमिंटन और जूडो तक में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती दी। किसी ने स्वर्ण पदक जीतकर कीर्तिमान बनाया तो किसी ने रजत और कांस्य पदक के साथ देश का मान बढ़ाया। इन पदकवीर बेटियों की उपलब्धियों के पीछे छिपी है ऐसी खेल यात्रा, जिसमें हर खिलाड़ी ने अपने हुनर, मेहनत और प्रदर्शन से कामयाबी की अलग इबारत लिखी है

वनडे ट्राई सीरीज- इंग्लैंड ने श्रीलंका को हराया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

बेन डकेट ने 167 रन बनाए, डॉसन को 4 विकेट; रत्नायके का शतक काम नहीं आया

लाहौर। इंग्लैंड ने वनडे ट्राई सीरीज में श्रीलंका को 55 रन से हरा दिया। लाहौर में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 386 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 45.1 ओवर में 331 रन पर ऑलआउट हो गई।श्रीलंका के लिए पवन रत्नायके ने 118 रन की पारी खेली, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा कप्तान कुसल मेंडिस ने 89 रन बनाए। इंग्लैंड के लिए लियाम डॉसन ने 4 विकेट लिए।इससे पहले इंग्लैंड के ओपनर बेन डकेट ने 167 रन की पारी खेली। उन्होंने 132 गेंदों में 24 चौके लगाए।इस वनडे ट्राई सीरीज का फाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 31 अक्टूबर को खेला जाएगा। मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में भारतीय समयानुसार दोपहर 1:30 बजे से खेला जाएगा।टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरे इंग्लैंड को बेन डकेट और टॉम बैंटन ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 163 रन की साझेदारी की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 163 रन की साझेदारी की।टॉम बैंटन ने 75 गेंदों पर 74 रन बनाए। उनकी पारी में 8 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। श्रीलंका के कप्तान दसुन शनाका ने इस साझेदारी को तोड़ा। 25वें ओवर की आखिरी गेंद पर शनाका ने बैंटन को बोल्ड किया।

डकेट और ब्रूक ने भी दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़े

इसके बाद डकेट और कप्तान हैरी ब्रूक ने दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़ दिए। इस बीच डकेट ने 29वें ओवर में अपना शतक पूरा किया। यह उनका वनडे इंटरनेशनल में छठा शतक है।

डकेट ने इससे पहले इसी मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 165 रन बनाए थे। जो उनका बेस्ट वनडे स्कोर था।

ब्रूक ने 44 और विल जैक्स ने 30 रन का योगदान दिया। जॉर्डन कॉक्स ने 43 रन बनाए, जबकि सैम करन 21 रन बनाकर नाबाद रहे।

नमन धीर ने भी तेजी से बैटिंग करते हुए 13 गेंदों में 28 रन बनाए

ऑकलैंड टी20 में बुरी तरह हारा भारत, गेंदबाजों के बाद बल्लेबाजों ने किया

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

ग्लेन फिलिप्स और माइकल ब्रेसवेल की तूफानी पारी के बाद जैकब डफी की गजब गेंदबाजी ने न्यूजीलैंड को आखिरकार भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत दिला ही दी। भारतीय टीम ऑकलैंड में बुरी तरह मैच हारी। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में 259 रन बनाए जवाब में भारतीय टीम 172 रन ही बना सकी और उसे 87 रनों से हार मिली। न्यूजीलैंड की जीत के हीरो ग्लेन फिलिप्स रहे, जिन्होंने 49 गेंदों में 107 रन बनाए। उनके अलावा माइकल ब्रेसवेल ने 25 गेंदों में 65 रनों की पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों ने 40 गेंदों में 115 रनों की साझेदारी कर टीम इंडिया को इस मैच से पूरी तरह बाहर कर दिया। गेंदबाजी में जैकब डफी ने कमाल गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 23 रन देकर 4 विकेट



भारतीय बैटिंग पूरी तरह फेल

भारत की विस्फोटक बैटिंग लाइनअप आज पूरी तरह फेल साबित हुआ। सबसे पहले संजू सैमसन आउट हुए। पहले ही ओवर में सैमसन के साथ-साथ ईशान किशन भी निपट गए। ईशान तो खाता ही नहीं खोल सके। अभिषेक शर्मा और कप्तान श्रेयस अय्यर ने थोड़ा विकेट पर जमने की कोशिश की लेकिन पावरप्ले खत्म होने से पहले ही दोनों निपट गए। मैथ्यू फिशर ने अभिषेक शर्मा को 27 पर आउट किया और कप्तान अय्यर 11 गेंदों में 22 रन बनाकर एडम मिल्न के ओवर में बोल्ड हो गए।मिडिल ओवर्स में अक्षर पटेल ने 7 रन पर विकेट गंवाया। नीतीश कुमार रेड्डी ने तेजी से बैटिंग करने की कोशिश की लेकिन वो 21 रन बनाकर सैंटनर का शिकार हो गए। नमन धीर ने भी तेजी से बैटिंग करते हुए 13 गेंदों में 28 रन बनाए, वो जैकब डफी को विकेट दे बैठे।

व्यापार

भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा

वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है।

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बना दिया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में रक्षा निर्यात में नया ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना है। इस दौरान देश का कुल रक्षा निर्यात बढ़कर 38,424 करोड़ रुपए तक पहुंचा, जो पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 62.66 प्रतिशत की मजबूत बढ़ोतरी दिखाता है। गौरतलब है कि भारत ने वर्ष 2030 तक 50,000 करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। इसके साथ ही 3 लाख करोड़ रुपए का रक्षा उत्पादन भी स्वदेश में होगा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा निर्यात में 14,802 करोड़ रुपए की बड़ी बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी इसका संकेत है कि दुनिया भारत की



स्वदेशी रक्षा क्षमताओं और उन्नत मैन्युफैक्चरिंग पर भरोसा कर रही है। उन्होंने बताया कि इस उपलब्धि में रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और निजी उद्योग दोनों की अहम भूमिका रही है। कुल निर्यात में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों का योगदान 54.84 प्रतिशत रहा, जबकि निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी 45.16 प्रतिशत रही है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायक नेतृत्व में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक नई सफलता की कहानी लिखी है।

रक्षा मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक और उपलब्धि हासिल की है। दरअसल मंत्रालय ने अपने पूंजीगत बजट का पूर्ण उपयोग किया है। यह बजट राशि 1.86 लाख करोड़ रुपए थी। इस बड़े पूंजीगत व्यय का 100 प्रतिशत उपयोग किया। यह लगातार दूसरा साल है जब रक्षा मंत्रालय ने अपना पूरा कैपिटल बजट इस्तेमाल किया है। इससे पहले भी वित्त वर्ष 2024-25 में कई वर्षों बाद पहली बार पूंजीगत बजट का पूरा उपयोग किया गया था।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआत में पूंजीगत व्यय के लिए 1.80 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था, लेकिन पहली दो तिमाहियों के खर्च और ऑपरेशन सिंदूर के

एमजी कामेट ईवी सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

अमेरिका -इजराइल-ईरान के मध्य जारी लडाई का असर अब भारत में भी होने लगा है। देश में कहीं गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है तो कहीं पेट्रोल-डीजल की किल्लत सामने आ रही है। ऐसे माहौल में कालाबाजारी भी चांदी काटने में लगे है। ऐसे हालात में इलेक्ट्रिक वाहन किफायती विकल्प के रूप में तेजी से उभर रहे हैं। खासतौर पर एमजी कामेट ईवी देश की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक कारों में शामिल है, जिसकी शुरुआती कीमत करीब 7.49 लाख रुपए है। इसकी रनिंग कॉस्ट इसे और आकर्षक बनाती है। एमजी कामेट ईवी को फुल चार्ज करने में लगभग 18 यूनिट बिजली लगती है।

यदि प्रति यूनिट कीमत 8 रुपए मानी जाए, तो कुल खर्च 144 रुपए आता है। कंपनी के अनुसार इसकी रेंज 230 किमी है, जबकि वास्तविक रेंज करीब 200 किमी मानी जाती है। इस



हिसाब से प्रति किलोमीटर लागत करीब 72 पैसे पड़ती है। वहीं पेट्रोल कार में औसतन 15 किमी प्रति लीटर माइलेज के आधार पर प्रति किलोमीटर खर्च करीब 6.60 रुपए आता है। यानी हर किलोमीटर पर लगभग 5.88 रुपए की बचत संभव है।

अगर कोई व्यक्ति महीने में 2000 किमी और साल में 24,000 किमी ड्राइव करता है, तो वह हर महीने करीब 11,760 रुपए और सालाना लगभग 1.41 लाख रुपए तक बचा सकता है। पांच साल में यह बचत 7 लाख रुपए के आसपास पहुंच सकती है, जिससे कार की लागत भी वसूल हो जाती है। फीचर्स की बात करें तो इसमें 10.25 इंच की ड्यूल स्क्रीन, स्मार्ट कनेक्टिविटी, नेविगेशन और रियल-टाइम अपडेट जैसी सुविधाएं मिलती हैं।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश= 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमश= 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश= 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमश= 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट बैंक 3.62 फीसदी, एचडीएफसी बैंक 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।



सीमित चुनावों के बड़े संकेत

विधान परिषद के चुनावों में कांग्रेस 'बड़े शून्य' के धब्बे से बच गई। बुधवार देर रात उसने नागपुर स्नातक सीट जीत कर सभी को चौंका दिया। नागपुर की जीत 'प्रतीकात्मक' है, क्योंकि यहां आरएसएस का मुख्यालय है और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी यहां से सांसद हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी नागपुर की एक सीट से विधायक हैं। क्या नागपुर में स्नातक युवाओं पर संघ परिवार का मानसिक और नैतिक प्रभाव कम हुआ है? उप्र में प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में शिक्षक और स्नातक सीटें समाजवादी पार्टी ने जीती हैं। इस सीट पर प्रधानमंत्री की सांसद के तौर पर जीत का अंतर भी काफी कम हुआ था, लिहाजा यह भाजपा की नई चिंता होनी चाहिए कि शिक्षक और स्नातक जैसा शिक्षित वर्ग क्या भाजपा से विमुख हो रहा है? छिटक रहा है? लखनऊ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का चुनाव क्षेत्र है और गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह-गढ़ है। लखनऊ में भाजपा की पराजय हुई है और गोरखपुर में 'दूसरी वरीयता' के स्तर पर मात्र 307 मतों से जीत पाई है। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भी भाजपा का गढ़ है। वहां से भी सपा ने जीत हासिल की है। उप्र में मार्च, 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बेशक विधान परिषद के चुनाव 'सीमित' होते हैं, फिर भी हजारों मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। यह भी जनादेश से कमतर नहीं माना जा सकता। कमोबेश इनके नतीजों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं, लिहाजा दल सबक भी ले सकते हैं। उप्र में आम विधानसभा चुनाव से पहले ही समीकरण बदलते लग रहे हैं। यदि सपा-कांग्रेस ने वाकई गठबंधन में चुनाव लड़ा, तो नतीजे 'अप्रत्याशित' भी हो सकते हैं! अलबत्ता विधान परिषद की कुल 28 में से 16 सीटें भाजपा ने जीती हैं, लिहाजा संतोष किया जा सकता है। यह जीत भाजपा-एनडीए की साझा जीत है।

(एक नजर)

राम-सीता के विवाह में हुई थीं हल्दी-मेहंदी की रस्में

फिल्म रामायण के टीजर और गाने 'मंगल रंग' को लेकर इन दिनों चर्चा हो रही है. खासतौर पर राम-सीता के विवाह से जुड़े दृश्यों और रस्मों को लेकर लोग अपनी राय रख रहे हैं. ऐसे में यह जानना दिलचस्प है कि आखिर वाल्मीकि रामायण में भगवान राम और माता सीता के विवाह का वर्णन किस तरह किया गया है. विवाह के दौरान कौन-कौन सी रस्में निभाई गई थीं और उस समय विवाह की परंपराएं कैसी थीं? आइए, वाल्मीकि रामायण के बालकांड में दिए गए प्रसंगों के आधार पर जानते हैं राम-सीता विवाह की पूरी कथा. वाल्मीकि रामायण के बालकांड में भगवान राम और माता सीता की शादी की पूरी कथा मिलती है. मिथिला के राजा जनक ने सीता के स्वयंवर में शर्त रखी थी कि जो भगवान शिव के धनुष पर प्रत्यंचा चढ़ाएगा, उसी से सीता का विवाह होगा. जब भगवान राम ने धनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाने की कोशिश की, तो धनुष टूट गया. इसके बाद दशरथ अपने परिवार और ऋषियों के साथ मिथिला पहुंचे।

विचार

सुप्रीम कोर्ट का कड़ा रुख- क्या अब सुधरेंगे फॉड पीड़ितों के हालात

अशोक भाटिया
लेकख

आज के दौर में साइबर फ्रॉड और विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट जैसी त्रासदियाँ किसी महामारी की तरह फैल चुकी हैं, जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गाढ़ी कमाई अपराधियों के खातों में चली जाती है। ऐसे माहौल में देश की सर्वोच अदालत, सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख न केवल डिजिटल और साइबर फ्रॉड के पीड़ितों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह देश की बैंकिंग प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त चेतावनी भी है। अदालत ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि बैंकों की लापरवाही या उनकी उचित सावधानी (ड्यू डिलिजेंस) में कमी के कारण कोई नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संबंधित बैंक को उस नुकसान की पूरी भरपाई करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ का यह निर्देश इस मायने में क्रांतिकारी है क्योंकि यह पहली बार उपभोक्ताओं के नुकसान की सीधी जवाबदेही उन वित्तीय संस्थानों पर डालता है, जो सुरक्षा का दावा तो करते हैं लेकिन अपनी कमियों को छिपाने में लगे रहते हैं। अदालत द्वारा रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को आगामी संशोधित केवाईसी गाइडलाइंस में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान अनिवार्य रूप से शामिल करने का आदेश देना एक ऐसा

आज के दौर में साइबर फ्रॉड और विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट जैसी त्रासदियाँ किसी महामारी की तरह फैल चुकी हैं, जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गाढ़ी कमाई अपराधियों के खातों में चली जाती है। ऐसे माहौल में देश की सर्वोच अदालत, सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख न केवल डिजिटल और साइबर फ्रॉड के पीड़ितों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह देश की बैंकिंग प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त चेतावनी भी है। अदालत ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि बैंकों की लापरवाही या उनकी उचित सावधानी (ड्यू डिलिजेंस) में कमी के कारण कोई नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संबंधित बैंक को उस नुकसान की पूरी भरपाई करनी होगी।

इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारें, पुलिस और बैंक अक्सर विज्ञापनों के माध्यम से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं।

भारत में डिजिटल क्रांति ने जहाँ आम नागरिक के जीवन को सुगम बनाया है, वहीं इसने एक ऐसे अदृश्य और खौफनाक अपराध तंत्र को भी जन्म दे दिया है जिसने देश की पूरी बैंकिंग और सुरक्षा व्यवस्था के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। आज के दौर में साइबर फ्रॉड और विशेष रूप से डिजिटल अरेस्ट जैसी त्रासदियाँ किसी महामारी की तरह फैल चुकी हैं, जहाँ पलक झपकते ही किसी व्यक्ति की जीवनभर की गाढ़ी कमाई अपराधियों के खातों में चली जाती है। ऐसे माहौल में देश की सर्वोच अदालत, सुप्रीम कोर्ट का हालिया रुख न केवल डिजिटल और साइबर फ्रॉड के पीड़ितों के हक में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि यह देश की बैंकिंग प्रणाली के लिए एक बेहद सख्त चेतावनी भी है। अदालत ने बहुत स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि बैंकों की लापरवाही या उनकी उचित सावधानी (ड्यू डिलिजेंस) में कमी के कारण कोई नागरिक ठगी का शिकार होता है, तो संबंधित बैंक को उस नुकसान की पूरी भरपाई करनी होगी। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पीठ का यह निर्देश इस मायने में क्रांतिकारी है क्योंकि यह पहली बार उपभोक्ताओं के नुकसान की सीधी जवाबदेही उन वित्तीय संस्थानों पर डालता है, जो सुरक्षा का दावा तो करते हैं लेकिन अपनी कमियों को छिपाने में लगे रहते हैं। अदालत द्वारा रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया को आगामी संशोधित केवाईसी गाइडलाइंस में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान अनिवार्य रूप से शामिल करने का आदेश देना एक ऐसा



नीतिगत बदलाव है, जिसकी प्रतीक्षा लंबे समय से की जा रही थी। इस आदेश के तहत आरबीआई को तीस नवंबर दो हजार छब्बीस तक नए नियम अधिसूचित करने हैं, जो इकतीस दिसंबर दो हजार छब्बीस से देश भर में प्रभावी हो जाएंगे। अदालत का यह समयबद्ध दृष्टिकोण दर्शाता है कि न्यायपालिका इस संकट की गंभीरता को कितनी गहराई से महसूस कर रही है।इस पूरे संकट का सबसे स्याह पहलू यह है कि अब तक साइबर अपराध के मामलों में पूरी व्यवस्था का दृष्टिकोण केवल पीड़ित को उपदेश देने या उसे जागरूक करने तक ही सीमित रहा है। सरकारें, पुलिस और बैंक अक्सर विज्ञापनों के माध्यम से यह कहकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं कि किसी को अपना ओटीपी या पासवर्ड न बताएं। परंतु, आज का साइबर अपराध केवल ओटीपी चोरी करने तक सीमित नहीं रह गया है। डिजिटल अरेस्ट जैसी नई और परिष्कृत तकनीकों में अपराधियों द्वारा कानून प्रवर्तन एजेंसियों का फर्जी रूप धरकर, पीड़ितों को मानसिक रूप से बंधक बना लिया जाता है और अत्यधिक मनोवैज्ञानिक दबाव में उनसे पैसे ऐंठे जाते हैं। ऐसे में साधारण नागरिक, चाहे वह कितना भी पढ़ा-लिखा क्यों न हो, भय और भ्रम के जाल में फंस जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस कड़वी सचाई को स्वीकार किया है कि इस साल देश में डिजिटल अरेस्ट और साइबर फ्रॉड के कारण जनता ने लगभग आठ सौ करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि गंवाई है। यह आंकड़ा केवल एक संख्या नहीं है, बल्कि यह उन हजारों परिवारों की मानसिक प्रताड़ना, आर्थिक तबाही और टूटे हुए सपनों की दास्तां है, जिन्होंने अपनी जमा-पूंजी को सुरक्षित मानकर बैंकों के हवाले किया था। ट्रांसफर करने में सफल हो जाता है।

विचार

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा

ललित गर्ग
लेखक

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

रिलायंस के सामने भी भविष्य की कसौटियाँ कम नहीं हैं। बड़े बाजार मूल्यांकन को निरंतर नवाचार, टिकाऊ मुनाफे, रोजगार सृजन और जनविश्वास में बदलना होगा। निवेशकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के साथ पर्यावरणीय उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को महत्व देना होगा।किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति



मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है- समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे।

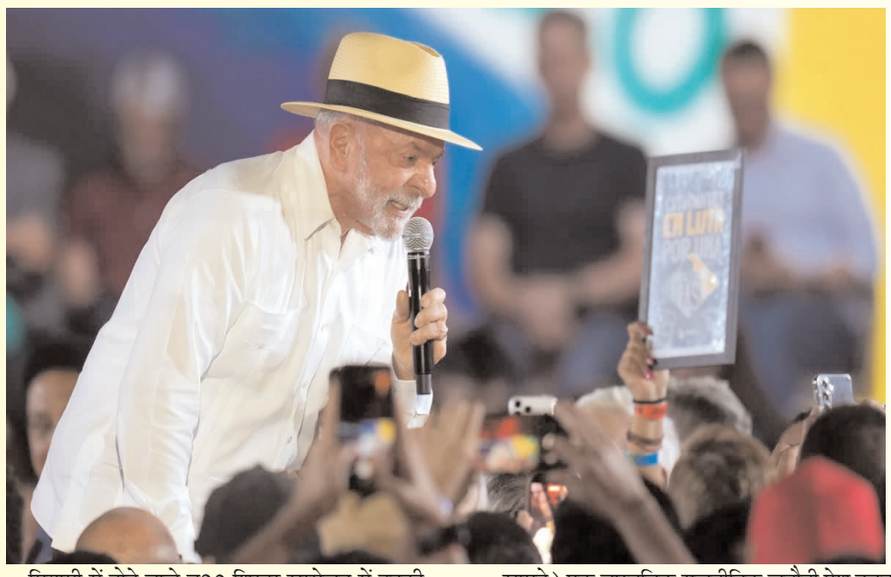
इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है-व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े।दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए ।

विचार

लूला और ट्रंप, लेफ्ट-राइट का पॉलिटिकल थियेटर...जंग अब भी जारी

धीरेंद्र राय,
लेखक

लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा एक बार फिर से ब्राजील के राष्ट्रपति बन गए हैं। वे अमेरिकी के कट्टर विरोधी हैं और वह इसे छिपाते भी नहीं हैं। पूंजीवादी अमेरिका और दक्षिण अमेरिका पर अपना दबदबा बनाए रखने की वाशिंगटन की प्रवृत्ति के प्रति अपनी नापसंदगी और विरोध को उन्होंने कभी नहीं छिपाया है। यही कारण है कि चुनाव के बाद अपने भाषण में लूला ने कहा कि ब्राजील किसी का पिछलग्गू नहीं है। यह बात उन्होंने परोक्ष रूप से अमेरिका को ध्यान में रखकर कही थी।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप न केवल वामपंथी राजनीति को नापसंद करते हैं, बल्कि वे उन्हें बदनाम करने का कोई मौका भी नहीं छोड़ते। उन्होंने अपने चिर-परिचित अंदाज में दावा किया कि ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव में ÷धांधली÷ हुई थी। उन्होंने यह भी कहा कि वे चुनाव में किसी एक पक्ष के साथ नहीं थे, जबकि यह साफ तौर पर जाहिर था कि वे फ्लावियो बोल्सोनारो की जीत चाहते थे। विरोधाभासों में जीने के शौकीन ट्रंप ने यह भी कह दिया कि वे लूला को पसंद करते हैं ! लेकिन व्यक्तिगत पसंद-नापसंद की इन तीखी बयानबाजियों से परे अगर लूला और ट्रंप कहीं मिलते हैं तो क्या होगा। जैसे कि 15-16 दिसंबर को



मियामी में होने वाले ज20 शिखर सम्मेलन में उनकी मुलाकात संभव है। बैठक की मेजबानी ट्रंप करने वाले हैं, और वे निश्चित रूप से एक-दूसरे से हाथ मिलाएंगे।

इस बीच उनके बीच जुबानी जंग जारी रहेगी। इसमें लूला की तुलना में ट्रंप अधिक सक्रिय रहेंगे। लूला के नेतृत्व में ब्राजील, अमेरिका के सामने (न कि सिर्फ ट्रंप के सामने) एक वास्तविक राजनीतिक चुनौती पेश करता है। लूला केवल ब्राजील के एक वामपंथी राष्ट्रपति नहीं हैं, अपितु वे व्यापार के मोर्चे पर ट्रंप की दादागिरी को मात देने की भी क्षमता रखते हैं। लूला चीन के साथ ब्राजील के व्यापारिक संबंधों को मजबूत करेंगे, जो ट्रंप और अमेरिका के लिए काफी परेशानी का सबब बनेगा। सोयाबीन के मामले में ब्राजील पहले ही ऐसा कर चुका है। चीन को सोयाबीन निर्यात करने के मामले में ब्राजील ने लगभग अमेरिका की जगह ले ली है। यह सब तब हो रहा है जब चीन और अमेरिका के बीच सेमीकंडक्टर चिप्स, एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) और महत्वपूर्ण मेटल्स को लेकर एक तरह का हॉट-कोल्ड वॉर (तीव्र प्रतिस्पर्धा) चल रहा है। चीन ने फिर से सोयाबीन का आयात शुरू कर दिया है। संभावना है कि 2026-27 में वह अमेरिका से 25 मिलियन टन सोयाबीन का आयात करेगा और जनवरी से सितंबर के बीच वह पहले ही 11।06 मिलियन टन का आयात कर चुका है। लेकिन इस दौरान 65।84 मिलियन टन सोयाबीन का निर्यात करके ब्राजील शीर्ष स्थान पर बना हुआ है।चीन, भारत और समूह के अन्य सदस्यों की तुलना में, लूला ब्रिक्स के इकलौते ऐसे नेता हैं जो वैश्विक व्यापार में अमेरिका के आर्थिक दबदबे को चुनौती देने के बारे में खुलकर बात करते हैं। वे अमेरिकी डॉलर की जगह किसी दूसरी मुद्रा को ÷रिजर्व करेंसी÷ बनाने के लिए बहुत उत्सुक हैं। यह अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के इरादों के बिल्कुल उलट है। माइली, ट्रंप की तरह ही एक कट्टर दक्षिणपंथी नेता हैं (ट्रंप के प्रशंसक भी हैं)। वे अर्जेंटीना की मुद्रा पेसो÷ को हटाकर अमेरिकी डॉलर को अपनाना चाहते थे।लूला की डी-डॉलराइजेशन÷ (डॉलर के प्रभाव को कम करने) की योजना सफल नहीं होगी, क्योंकि भारत इसके पक्ष में नहीं है, चीन इसमें कोई खास दिलचस्पी नहीं रखता, और रूस भी अपनी कमजोर मुद्रा रूबल के बजाय डॉलर को ही चुनना पसंद करेगा। लूला ही एकमात्र ऐसे नेता हैं जो खुलकर इसकी वकालत करते हैं। ब्रिक्स ने जो पहला कदम उठाया है, वह यह है कि सदस्य देश अपने आयात के भुगतान के लिए एक-दूसरे की स्थानीय मुद्राओं का इस्तेमाल करें। लेकिन आर्थिक वर्चस्व की इस लड़ाई में, लूला की इस बड़ी रणनीति को लेकर अमेरिकी पक्ष का सतर्क होना स्वाभाविक है। इस बात की संभावना बहुत कम है कि लूला अमेरिका को वैश्विक व्यवस्था में सबसे ऊपर की जगह से हटा पाएंगे। और अगर ऐसा होता भी है, तो यह लूला के प्रयासों की वजह से नहीं होगा। हालांकि, लूला एक ÷वामपंथी लोकतांत्रिक÷ नेता हैं, जिन्हें चुनावी व्यवस्था के उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है। वे न तो फिदेल कास्त्रो जैसे कोई कम्युनिस्ट तानाशाह हैं (भले ही वे कितने भी लोकप्रिय क्यों न रहे हों), और न ही ह्यूगो शावेज जैसे कोई कट्टर लोकलुभावन नेता हैं।

साल 2006 से 2014 तक दो कार्यकाल तक राष्ट्रपति रहने के बाद, लूला को पद छोड़ना पड़ा क्योंकि संविधान के अनुसार लगातार दो बार से ज्यादा राष्ट्रपति नहीं बना जा सकता। 2018 में उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल भेज दिया गया था। 2019 में वे इन आरोपों से बरी होकर बाहर आए। उन्होंने 2022 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ा और जायर बोल्सोनारो (जो फ्लेवियो के पिता हैं) को हराया।

हंसी के बादशाह मिस्टर बीन



तुम्हारे प्यारे दोस्त मिस्टर बीन, मिस्टर बीन सिरीज के अलावा फिल्मों में भी सभी का मनोरंजन करते नजर आए। करीब दो दशक से वे हंसी के डोज, टीवी व फिल्मों के माध्यम से बराबर देते आ रहे हैं। अपने चुटीले अंदाज से इन्होंने न सिर्फ तुम बच्चों को, बल्कि बड़ों को भी लोटपोट होने पर मजबूर कर दिया। आओ जानते हैं मिस्टर बीन को कुछ करीब से।

हम जानते हैं कि हंसा-हंसा कर लोटपोट करने वाले मिस्टर बीन तुम्हारे पसंदीदा स्टार हैं। टीवी पर जब तुम देखते हो तो तुम्हें इंतजार रहता है कि कब वह ऐसी हरकतें करें कि हमें जल्दी से हंसने का मौका मिले। शायद यह उन कुछ चुनिंदा टीवी प्रोग्राम्स में शामिल है, जिसे बदलने के लिए कोई नहीं कहता होगा। मिस्टर बीन किसी भी काम को अपनी अक्ल लगाकर करना चाहते हैं। उन्हें दीवार पेंट करनी हो तो वह हमारी-तुम्हारी तरह ब्रश का इस्तेमाल नहीं करेंगे, बल्कि घर के छोटे-बड़े सामान को सबसे पहले कवर करेंगे।

डाइनिंग टेबल पर रखे फलों में अंगूरों तक को कागज में लपेटेंगे। पेंट बकेट में धमाका कर पूरे घर की दीवारों पर पेंट करना चाहेंगे। है ना उनका अपना अनोखा स्टाइल। अपने इसी अनोखे स्टाइल के कारण वे पूरी दुनिया में सबके चहेते हो गए हैं।

कई बार तो वे जानबूझकर कोई शरारत करते हैं, लेकिन कभी कुछ शैतानियां उनसे भोलेपन में हो जाती हैं। अब जैसे वही एपिसोड देख लो, जिसमें वे पार्टी के लिए कुछ दोस्तों को अपने घर निमंत्रण देते हैं। लेकिन ये क्या, किचन में तो कुछ है ही नहीं। वे अपनी गर्दन जब चारों ओर घुमाते हैं तो देखते हैं कि खिड़की से कुछ झाड़ अंदर आ रही हैं। बस फिर क्या, उन्हीं को काटकर वे मेहमानों को परोसना चाहते हैं। दोस्त बेचारे इंतजार में हैं कि कुछ स्वादिष्ट पकवान आएंगे, मगर मिस्टर बीन ने तो झाड़ी से काटकर कुछ बारीक लकड़ियां शहद के साथ उन्हें परोस दीं। मेहमान हैरान कि मिस्टर बीन कैसे मजे लेकर खा रहे हैं। ऐसी एक नहीं, अनगिनत शरारतों से वे हंसी का डोज बराबर देते रहते हैं। दरअसल मिस्टर बीन का नाम है रोवान एटकिंसन।



जुगाड़ करना कोई इनसे सीखे। ये बस चाहते हैं कि अपना काम निकल जाए, फिर उसके लिए उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े। खोई पैंट को ढूंढ़ने के लिए हदें पार करने की बात हो या फिर नादानी की वजह से गार्ड का कायाकल्प करना। कई बार ऐसा भी होता है कि किसी काम में पूरा जोर लगाने के बाद भी सफल नहीं हो पाते, लेकिन ये तो मिस्टर बीन हैं, जिन्होंने हार मानना



तुम इनकी भोली-भाली सी सूरत को देख ये मत समझना कि मिस्टर बीन कितने सीधे हैं। मिस्टर बीन चोरी और धोखाधड़ी में किसी से कम नहीं हैं। दूसरों के माल को अपना बनाने के लिए कौन-कौन सी कोशिश की जा सकती हैं, अगर यह देखना हो तो मोटरसाइकिल की नाकाम कोशिश वाला एपिसोड देखा जा सकता है। मिस्टर बीन में ढेर सारी खूबियां भी हैं तो कुछ कमजोरियां भी उनकी पर्सनेलिटी में शामिल हैं। दरअसल तुम्हारे प्यारे मिस्टर बीन भावुक बहुत जल्दी हो जाते हैं। कभी-कभी वे किसी बड़ी से बड़ी बात को भी मजाक में लेना खूब जानते हैं। खुद को अपने ही स्टाइल में समझाना भी इन्हें खूब आता है।





टेलीविजन की दुनिया में वर्ष 1990 से 1995 के बीच मिस्टर बीन ने अपने चुटीले अंदाज से बच्चों को ही नहीं, बड़ों को भी खूब हंसाया। इस दौरान उनका किरदार 'द कार फैन' इस शो के सबसे यादगार किरदारों में गिना जाता है। द कार फैन में मिस्टर बीन बड़े आकार का फर्नीचर खरीद लेते हैं। खरीदारी के बाद उन्हें लगता है कि फर्नीचर उनकी मिनी कार में फिट नहीं हो पाएगा। वह आर्म चेयर को मिनी कार की छत पर रख देते हैं। बात यहीं खत्म नहीं हो जाती। हंसी के ठहाके तो तब गूंजते हैं, जब मिस्टर बीन कार के अंदर बैठने के बजाए छत से बंधी आर्म चेयर पर बैठ जाते हैं और वहीं बैठे-बैठे जाले साफ करने वाले डंडे और कुछ चमड़े की पट्टियों से कार चलाते हैं। अंग्रेजी फिल्मों के प्रसिद्ध हास्य अभिनेता रोवान 'मिस्टर बीन' के किरदार को अब हमेशा के लिए अलविदा कह चुके हैं। रोवान ने सबसे पहले इस किरदार को वर्ष 1990 में एक टेलीविजन श्रृंखला में निभाया था और बाद में वर्ष 1997 में वे इस किरदार के साथ एक फिल्म में भी नजर आए थे। रोवान ने फिल्म 'मि. बीन्स हॉलीडे' के बाद इस किरदार को हमेशा के लिए अलविदा कहने का फैसला किया था। इसके निर्माता चाहते हैं कि कुछ बेहतरीन एपिसोड्स को कुछ नए अंदाज में पेश किया जाए। फिलहाल मिस्टर बीन एनिमेटिड सिरीज कई चैनल्स पर आ रही है। उनके मजेदार एपिसोड्स तुम्हें हंसाते रहते हैं। कई नए-पुराने एपिसोड्स की श्रृंखला लगातार कई सालों से चल रही है और इसे हर उम्र के लोग पसंद करते रहे हैं। मिस्टर बीन की सबसे बड़ी खासियत तो तुम्हें पता ही होगी कि वो बोलते कभी-कभी ही हैं...अरे यही बात तो उन्हें सबसे अलग बनाती है ना।

मिस्टर बीन व उनके कुछ साथी

मिस्टर बीन नॉर्थ लंदन के हाइबरी शहर में रहते हैं। वे हमेशा अपनी ट्रेडमार्क बन चुकी खास जैकेट और स्किन रेड टाई में आमतौर पर नजर आते हैं। वे सामान्यतः एक डिजिटल केलकुलेटर वॉच भी पहनना पसंद करते हैं।

मिस्टर बीन शायद ही कुछ बोलते हैं। बस खुद ही बुदबुदाते रहते हैं। टैडी, मिस्टर बीन का सबसे अच्छा साथी है। छोटा सा वह भालू गहरे भूरे रंग का है, जिससे वे बातें भी करते हैं। और उम्मीद भी करते हैं कि वह समझदारी से पेश आए। कई बार वह टूटता-फूटता है, मगर फिर अगले ही एपिसोड में अपने असली रूप में नजर आता है। मिस्टर बीन की वह खास कार भी एक कैरेक्टर के रूप में उभर कर सामने आई।

मिस्टर बीन एक नजर में...

मिस्टर बीन यानी रोवान एटकिन्सन का जन्म 6 जनवरी 1955 को इंग्लैंड में हुआ। उनकी पत्नी सुनेत्रा शेस्त्री व दो बच्चे बेंजमिन व लिली हैं।

1 जनवरी 2010 को मिस्टर बीन ने अपने 20 साल पूरे किए थे। 1 जनवरी 1990 में पहली बार मिस्टर बीन यूके के आई टीवी में नजर आए थे।

1996 में मिस्टर बीन का पहला वीडियो आया, जिसे पेश करने वाले थे, पोलीग्राम वीडियो।

जर्मनी में मेक्डोनल्ड्स ने मिस्टर बीन को वीडियो प्रमोशन के लिए इस्तेमाल किया, जिससे एक महीने एक मिलियन यूनिट की बिक्री हुई।

1997 में आस्ट्रेलिया में बीन : द अलटिमेट डिजास्टर मूवी रिलीज हुई।

दिसम्बर 2001 में द मिस्टर बीन एनिमेटिड सिरीज पूरी हुई। 2004 तक यह यूके में निक पर लॉन्च कर दी गई।

फरवरी 2005 में मिस्टर बीन ने मोबाइल गेम की दुनिया पर भी कब्जा कर लिया।

सबसे पहले मई से अगस्त 2006 के बीच मिस्टर बीन पर बनी फिल्म मिस्टर बीन्स हॉलीडे देखी गई और 2007 आते-आते पूरी दुनिया में रिलीज हो गई।



बौना ग्रह बन गया प्लूटो

दोस्तों, प्लूटो के बारे में तो तुमने सुना ही होगा। यह पहले अपने सौरमंडल का 9वां ग्रह था। लेकिन अब इसे ग्रह नहीं माना जाता। आओ प्लूटो के बारे में जानते हैं...

प्लूटो 2006 तक सौरमंडल का काफी महत्वपूर्ण सदस्य था। इसे 9वें ग्रह का सम्मान प्राप्त था। लेकिन 13 सितम्बर, 2006 को इंटरनेशनल एस्ट्रोनोमिकल एसोसिएशन ने प्लूटो से यह अधिकार छीन लिया। एसोसिएशन ने घोषणा कर दी कि अब प्लूटो ग्रह नहीं है। उन्होंने एक नई श्रेणी भी बनाई, जिसमें इसे बौने ग्रह का नाम देकर डाल दिया गया। तब से प्लूटो को बौना ग्रह कहा जाता है। तुम सोच रहे होगे कि जब यह ग्रह था तो इसे बौने ग्रहों की श्रेणी में क्या डाला? 75 देशों के वैज्ञानिकों ने प्लूटो के बारे में हुए शोध के बाद यह तय किया कि प्लूटो में ग्रह कहलाने वाले गुण नहीं हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि ग्रह वह होता है, जो इतना बड़ा हो कि उसमें गुरुत्वाकर्षण बल पैदा करने की क्षमता हो। वह गोलाकार हो। सूर्य के चक्कर लगाता हो और उसकी कक्षा किसी अन्य ग्रह की कक्षा को काटती न हो। प्लूटो इन शर्तों को पूरा नहीं करता। वह तो बुध का आधा भी नहीं है। तुम जानते होगे कि अभी बुध अपने सौरमंडल का सबसे छोटा ग्रह है। प्लूटो सूर्य के चक्कर तो लगाता है, लेकिन कई बार सूर्य से काफी दूर भी चला जाता है और फिर रास्ते पर आ जाता है। वह कई बार नेपच्यून से भी करीब आ जाता है। तुम्हें तो पता ही है कि नेपच्यून अपने सौरमंडल का अंतिम ग्रह है, जो सूर्य से 8वें नम्बर पर है, इसलिए वैज्ञानिकों ने घोषणा की कि प्लूटो ग्रह नहीं है।

प्लूटो को जानो करीब से

प्लूटो का आकार हमारे चंद्रमा का एक तिहाई है। यानी हमारे चंद्रमा के तीसरे हिस्से के बराबर है प्लूटो। इसका व्यास लगभग 2,300 किलोमीटर है। अपनी पृथ्वी तो प्लूटो से लगभग 6 गुना बड़ी है। सूर्य से औसतन 6 अरब किलोमीटर दूर है यह प्लूटो। इस कारण इसे सूर्य का एक चक्कर लगाने में हमारे 248 साल के बराबर समय लग जाता है। यह नाइट्रोजन की बर्फ, पानी की बर्फ और पत्थरों से बना है। इसके वायुमंडल में नाइट्रोजन, मीथेन और कार्बन मोनोक्साइड गैसें हैं। इस कारण यहां का तापमान काफी कम रहता है। शून्य से 200 डिग्री सेल्सियस नीचे यानी -200 डिग्री सेल्सियस रहता है। इससे तुम अंदाजा लगा सकते हो कि यहां कितनी ठंड लगती होगी। इतने कम तापमान में कोई यहां नहीं रह सकता। यहां गैस वाले वातावरण के कारण प्लूटो के भी छल्ले दिखाई देते हैं और यहां का रंग भी बदलता रहता है। वैसे यहां का रंग काले, नारंगी और सफेद रंग का मिश्रण लगता है। प्लूटो की खोज 1930 में हुई थी। अमेरिकी खगोलशास्त्री क्लाइड डब्ल्यू टॉमबॉग ने इसकी खोज की थी। उस समय लगा कि प्लूटो ग्रह है और उसे 9वां ग्रह मान लिया गया। तुम्हें जानकर ताज्जुब होगा कि प्लूटो का नाम एक बच्चे ने रखा है। वैज्ञानिकों ने लोगों से पूछा था कि इस ग्रह का क्या नाम रखा जाए। ऑक्सफोर्ड स्कूल ऑफ लंदन में 11वीं में पढ़ने वाली एक छात्रा वेनेशिया बर्ने ने सुझाव दिया था कि इसका नाम प्लूटो रखा जाए। उस लड़की ने कहा कि रोम देश में अंधेरे के देवता को प्लूटो कहते हैं, इस नए ग्रह पर भी हमेशा अंधेरा रहता है, इसलिए इसका नाम प्लूटो रखा जाए। वैज्ञानिकों को यह बात अच्छी लगी और इसका नाम प्लूटो रख दिया गया। अब तो प्लूटो के चार चंद्रमा भी मिले हैं। हब्बल स्पेस टेलीस्कोप ने पिछले साल ही प्लूटो के चौथे चंद्रमा की खोज की है, जिसका नाम एस है। प्लूटो के बाकी तीन चंद्रमाओं के नाम शैरन, निक्स

विमान में रेस्टोरेंट और थियेटर...

विमान सिर्फ सफर करने के लिए नहीं है, बल्कि इसमें रेस्टोरेंट और थियेटर भी खुलने वाले हैं। इंडोनेशिया के एक व्यापारी ने कबाड़ में पड़े विमान को फिर से विकसित करने की योजना बनाई है। इस विमान में रेस्तरां खोला जाएगा, साथ ही लोग परिवार के साथ फिल्म भी देख सकते हैं। इसमें खाना खाने की और मूवी देखने की कीमत सामान्य से अधिक लगेगी। इसमें वेटर आदि एयरहोस्टेज की ड्रेस में होंगी और उसी तरह एनाउंसमेंट भी की जाएगी। बस फर्क ये होगा कि विमान उड़ान नहीं भरेगा।



न्यूज इन शॉर्ट

महासमुंद में बारिश ने दिखाया जोर, 1285 मिमी पहुंचा आंकड़ा

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में मानसून के दौरान इस वर्ष अच्छी बारिश दर्ज की गई है। जिले में 1 जून 2026 से 29 अक्टूबर 2026 तक कुल 1285.0 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले की छह तहसीलों में बारिश का आंकड़ा अलग-अलग रहा है। सर्वाधिक वर्षा पिथौरा तहसील में दर्ज की गई है, जबकि कोमाखान तहसील में सबसे कम बारिश हुई है। वहीं, 29 अक्टूबर को भी जिले के विभिन्न इलाकों में बारिश का सिलसिला जारी रहा और इस दिन 41.7 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई।भू-अभिलेख विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, महासमुंद जिले में इस मानसून सीजन में पिथौरा तहसील सबसे अधिक बारिश वाला क्षेत्र रहा है। यहां 1 जून से अब तक 1498.0 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है। वहीं, सरायपाली तहसील में 1404.0 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। बसना तहसील में 1263.3 मिलीमीटर और बागबाहरा तहसील में 1200.2 मिलीमीटर वर्षा हुई है। इसके अलावा महासमुंद तहसील में 1192.9 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई है। जिले की कोमाखान तहसील में सबसे कम 1151.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। आंकड़ों से स्पष्ट है कि जिले में बारिश का वितरण सभी तहसीलों में समान नहीं रहा है। पिथौरा और कोमाखान तहसीलों के बीच कुल दर्ज वर्षा में 346.4 मिलीमीटर का अंतर सामने आया है।महासमुंद जिले में गुरुवार, 29 अक्टूबर को भी कई क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई। भू-अभिलेख शाखा के अनुसार, जिले में इस दिन 41.7 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई। तहसीलवार आंकड़ों पर नजर डालें तो गुरुवार को पिथौरा तहसील में सबसे अधिक 67.0 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके बाद बसना तहसील में 51.8 मिलीमीटर और बागबाहरा तहसील में 44.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। सरायपाली तहसील में 43.6 मिलीमीटर, कोमाखान तहसील में 22.0 मिलीमीटर और महासमुंद तहसील में 21.6 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। इस तरह गुरुवार को भी पिथौरा तहसील बारिश के मामले में जिले में सबसे आगे रही, जबकि महासमुंद तहसील में सबसे कम वर्षा दर्ज हुई।

छत्तीसगढ़ में जाली नोट! 500 और 100 रुपये की नकली करेंसी के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

सक्ती - छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में नकली नोटों के कथित कारोबार को लेकर हसौद पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। पुलिस ने जाली करेंसी तैयार करने और उसे बाजार में खपाने की तैयारी करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस कार्रवाई में 500 और 100 रुपये के कुल 17,500 रुपये के नकली नोट बरामद होने की जानकारी दी गई है। इसके साथ ही कलर प्रिंटर, नोट छापने का फ्रेम, कागज, कटर और एक एक्टिवा भी जब्त की गई है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेजे जाने की जानकारी है। इस मामले ने एक बार फिर बाजार में नकली नोटों के संभावित प्रसार को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी कब से इस गतिविधि में शामिल थे और क्या पहले भी नकली करेंसी बाजार में पहुंचाई गई थी।

मिली जानकारी के अनुसार, हसौद पुलिस ने नकली नोट तैयार करने के मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को पकड़ा है। दोनों आरोपी सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के कोसीर गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। उनके कब्जे से 500 और 100 रुपये के मूल्यवर्ग के जाली नोट बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, बरामद नकली नोटों का कुल अंकित मूल्य 17,500 रुपये है। प्रारंभिक जानकारी में आशंका जताई गई है कि आरोपियों की योजना इन नोटों को बाजार में खपाने की थी। हालांकि, वे किन स्थानों पर नकली करेंसी चलाने वाले थे, इस संबंध में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

इस कार्रवाई में नकली नोटों के अलावा पुलिस ने छपाई से संबंधित कई सामान भी जब्त किए हैं। जब्त

महिला आयोग की जनसुनवाई में 30 मामलों पर सुनवाई, 10 प्रकरणों का निपटारा

शिकायतों और नाबालिग बच्ची की सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों पर विचार किया गया।

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की जनसुनवाई में महिलाओं से जुड़े विभिन्न मामलों पर सुनवाई करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में रायपुर जिले के प्रकरणों की जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, संपत्ति विवाद, कार्यस्थल से संबंधित शिकायतों और नाबालिग बच्ची की सुरक्षा जैसे संवेदनशील मामलों पर विचार किया गया। जनसुनवाई में कुल 47 प्रकरण सूचीबद्ध थे, जिनमें से 30 मामलों पर सुनवाई हुई और 10 प्रकरणों का निराकरण कर उन्हें नस्तीबद्ध किया गया। जनसुनवाई के दौरान आयोग की सदस्य श्रीमती ओजस्वी मंडावी भी उपस्थित रहीं। आयोग ने विभिन्न मामलों में दोनों पक्षों की बात सुनने के साथ ही संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कई प्रकरणों में दस्तावेज



प्रस्तुत करने और आगामी सुनवाई में उपस्थित होने के निर्देश जारी किए गए।

बैंक से जुड़े मामले में 15 दिन का समय

जनसुनवाई के दौरान बैंक से संबंधित एक शिकायत पर भी सुनवाई हुई। इस मामले में आवेदिका के पक्ष के समर्थन में बैंक की एक महिला अधिकारी ने आयोग के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया। आयोग ने संबंधित अनावेदक पक्ष को शिकायत का जवाब और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए 15 दिन का समय दिया। इसके अलावा आगामी सुनवाई में बैंक की आंतरिक शिकायत समिति से जुड़े अभिलेखों के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए गए। आयोग ने मामले में उपलब्ध सुनवाई करने का निर्णय लिया।

तेज हवाएं चल रही, 14 जिलों में स्कूल बंद

अर्नब का असर, सरगुजा-रायपुर में बारिश की झड़ी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बंगाल की खाड़ी से उठे चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का असर छत्तीसगढ़ में आज भी जारी है। सरगुजा और रायपुर में रात से लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज भी उत्तर छत्तीसगढ़ में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

इस दौरान गरज-चमक के साथ बिजली गिरने और 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। प्रदेश के 14 जिलों के स्कूलों में आज भी छुट्टी है। बलरामपुर में बारिश से खेतों में कटाई के बाद रखी धान की फसल भीग गई है। लगातार नमी से धान के दाने काले पड़ने और फसल में फफूंद लगने का खतरा है। बारिश जारी रहने पर किसानों को नुकसान हो सकता है।बुधवार को बस्तर संभाग से बारिश



और तेज हवाओं का दौर शुरू हुआ, जिसका असर रायपुर समेत प्रदेश के कई हिस्सों में दिखा। शाम को रायपुर में 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं और तेज बारिश हुई।कई इलाकों में पेड़ गिर गए और बिजली सप्लाई ठप रही। बुधवार को जगदलपुर में 15.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं, रायपुर में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.8 डिग्री कम रहा।अगले दो दिनों में भी प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका है।

तूफान कमजोर होगा, छत्तीसगढ़ में बारिश जारी रहेगी

मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवाती तूफान 'अर्नब आंध्र प्रदेश और यनम के तटों को पार कर चुका है। इसके अगले 48 घंटों बढ़ने और धीरे-धीरे कमजोर होने की संभावना है।

घर पर ही पानी उपलब्ध हो रहा

जल जीवन मिशन से आमगांव में घर-घर पहुंच रहा स्वच्छ पेयजल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

जल जीवन मिशन के तहत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान स्थित ग्राम आमगांव में हर घर नल से जल पहुंचाने की पहल ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। 648 की आबादी वाले इस गांव में 138 घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही पेयजल आपूर्ति के लिए 40 किलोलीटर क्षमता के उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण किया गया है। इस सुविधा से ग्रामीण परिवारों को घर पर ही पानी उपलब्ध हो रहा है। ग्राम आमगांव में पहले ग्रामीणों को दैनिक उपयोग एवं पेयजल के लिए दूर-दराज के जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता



था। विशेषकर गर्मी के मौसम में पानी की उपलब्धता बड़ी चुनौती बन जाती थी। महिलाओं एवं बच्चों को पानी लाने में काफी समय व्यतीत करना पड़ता था, जिससे उनके दैनिक कार्य और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी।

जल जीवन मिशन के माध्यम से गांव में नल कनेक्शन स्थापित होने के बाद ग्रामीणों को इस परेशानी से राहत मिली है।घर की चौखट तक नल से पानी पहुंचने से गांव की महिलाओं को विशेष सुविधा मिली है। पहले पानी लाने में लगने वाला समय अब परिवार की देखभाल, बच्चों की शिक्षा, घरेलू कार्यों और आजीविका संबंधी गतिविधियों में उपयोग हो रहा है। इससे ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक हुई है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम में पेयजल सुविधा के विस्तार के साथ ग्रामीणों को स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल के उपयोग और जल संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है।

कन्हैया अग्रवाल ने कहा

खुली निविदा किए बिना उच्च दाब स्मार्ट मीटर प्रक्रिया निरस्त करें: कन्हैया

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल नेकहा कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा बिना किसी खुली निविदा प्रक्रिया का पालन किए, उच्च दाब औद्योगिक कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य एक विशिष्ट निजी कंपनी (टाटा पावर) को सौंपने की अनुचित प्रक्रिया प्रारंभ की गई है ।पावर कंपनी के अध्यक्ष सुबोध कुमार सिंह को ज्ञापन दिया गया है । ज्ञापन में कहा गया कि विभागीय विरोधों के बावजूद उक्त निजी कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से संबंधित नस्ती अध्यक्ष महोदय के समक्ष अंतिम स्वीकृति हेतु प्रक्रियाधीन है । कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि निम्न दाब (ख्ख) कनेक्शनों के लिए दी गई पुरानी स्वीकृति को आधार बनाकर उच्च दाब (।ज्ञ) कनेक्शनों में भी बिना टेंडर यह कार्य पारित कराने का प्रयास एक गंभीर प्रक्रियात्मक एवं वित्तीय अनियमितता की ओर



इशारा करता है।उन्होंने तकनीकी ,कानूनी और वित्तीय बिंदुओं की ओर ध्यानाकर्षण करते हुए कहा कि सक्षम एवं सुचारू रूक्र व्यवस्था की उपेक्षा कर टाटा पावर को लाभान्वित करने के लिए विद्युत वितरण कंपनी कम कर रही है। कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में लगभग 4,000 उच्च दाब (औद्योगिक उपभोक्ता हैं। इन परिसरों में वर्ष 2010 में खुली निविदा प्रक्रिया के माध्यम से रूक्र(ऑटोमैटिक मीटर रीडिंग) प्रणाली स्थापित की गई थी। गुढ़ियारी प्रांगण स्थितसेंट्रल कंट्रोल रूम से अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में अभियंताओं की टीम द्वारा पिछले 15 वर्षों से बिना किसी शिकायत के इसकी ऑनलाइन रीडिंग और परीक्षण दक्षतापूर्वक किया जा रहा है। पूर्णतः कार्यात्मक करोड़ों रुपये की इस व्यवस्था को बिना किसी ठोस तकनीकी कारण के दरकिनार किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री कन्हैया अग्रवाल ने कहा कि हितों का सीधे टकराव का मामला है। टाटा पावर ने 04 दिसंबर 2025 को छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोगे समक्ष रायपुर क्षेत्र (जहां राज्य के लगभग 70त्न ।ज्ञ उपभोक्ता हैं) में विद्युत वितरण लाइसेंस हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।जिस कंपनी ने स्वयं वितरण लाइसेंस के लिए आवेदन किया हो, उसी को ।ज्ञ उपभोक्ताओं के मीटरिंग और डेटा नियंत्रण का कार्य सौंपना पूरी तरह से कन्फ्लिक्ट ऑफ इंटरेस्टहै।

बैलाडिला बुल्स ने दर्ज की पहली जीत, सेमीफाइनल की आस बाकी

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

बारिश से प्रभावित राजधानी रॉयल्स बनाम बैलाडिला बुल्स के मुकाबले में चिंगलेनसाना सिंह की टीम ने बुधवार को छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में 1-0 से अपनी पहली जीत दर्ज की। इस जीत के बाद बुल्स ने सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा है। वहीं रॉयल्स बिना कोई जीत हासिल किए टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। बारिश के कारण करीब एक घंटे देर से शुरू हुए मैच में लीग में अपनी पहली जीत की तलाश कर रही बुल्स को अपने पहले गोल के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ा। जैसे ही सर्कल में मौका बना, राहुल यादव ने गेंद पर जोरदार शॉट मारा, जिससे उनकी टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। पूरे मैच में कई मौके बनने के बावजूद 60 मिनट के खेल में यही एकमात्र गोल रहा। गीले मैदान में जब रॉयल्स की टीम बुल्स के हाफ में प्रवेश करने के लिए भी संघर्ष कर रही थी, तब बुल्स ने लगभग अपना दूसरा गोल कर ही लिया था।

गोपाल पैकरा ने गेंद को गोलपोस्ट की तरफ मोड़ा, लेकिन अंपायर ने इस गोल को अमान्य करार दिया। हालात काफी खराब थे, फिर भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। पास सही जगह तक नहीं पहुंच पा रहे थे और शॉट्स की गति भी काफी कम हो गई थी। बुल्स के जसकरण को कुछ पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दोनों बार गेंद को अंदर भेजने (इंजैक्शन) का तरीका सही नहीं रहा, जिससे कोई गोल नहीं हो सका। पहले हाफ के अंत तक, बुल्स एक गोल की बढ़त के साथ आगे थे। तीसरे और चौथे क्वार्टर में भी खिलाड़ियों को बारिश से जूझना पड़ा। सर्कल में भरे पानी की वजह से फॉरवर्ड लाइन अपनी मनचाही रणनीति के साथ नहीं खेल पाई। कुल मिलाकर रॉयल्स के लिए पूरी लीग काफी निराशाजनक रही। रॉयल्स की टीम पेनल्टी कॉर्नर पर एक भी गोल नहीं कर सके, जो उनकी हार का सबसे बड़ा कारण रहा। इसके बावजूद हिमांशु को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि राहुल ने स्ट्राइकर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता।

न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स का मैच 1-1 से ड्रॉ

कम स्कोर वाले पहले मुकाबले में न्यायधानी नाइट्स और मैनपाट टाइटन्स के बीच मैच 1-1 से ड्रॉ रहा। केतन की बदौलत नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर में खाता खोला, जबकि चौथे क्वार्टर में मोहित नायक ने टाइटन्स की वापसी कराई। इस नतीजे का मतलब यह है कि टाइटन्स को छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की करने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों की ओर से कुछ हमले किए गए, लेकिन कोई भी गोल में तब्दील नहीं हो सका। हालांकि सेमीफाइनल में जगह बना चुकी नाइट्स ने दूसरे क्वार्टर के अंत में गोल करके खाता खोला। केतन ने टूर्नामेंट का अपना छठा गोल किया, जब उन्होंने रिबाउंड पर गेंद को गोलकीपर के पार पहुंचा दिया। इस तरह वे हाफ-टाइम तक 1-0 की बढ़त के साथ गए।तीसरा क्वार्टर काफी शांत रहा। नाइट्स के मजबूत डिफेंस ने विपक्षी टीम की फॉरवर्ड लाइन के लिए गोल करना नामुमकिन बना दिया। उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि सर्कल के अंदर गेंद किसी खिलाड़ी के पैर से न छुए, जिससे स्कोर 1-0 पर ही टिका रहा।

ई-रिक्शा से नशीली कफ सिरप बरामद की थी

रायपुर में नशीली सिरप बेचने वालों को 20-20 साल की जेल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में नशीली दवाओं के अवैध कारोबार से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में विशेष न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोडीनयुक्त कफ सिरप की अवैध बिक्री और सप्लाई के मामले में तीन दोषियों को 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही तीनों पर कुल 10 लाख रुपये का अर्थदंड लगाया गया है। यह मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है, जहां पुलिस ने एम्स अस्पताल के गेट नंबर चार के पास ई-रिक्शा से नशीली कफ सिरप बरामद की थी। पुलिस ने केवल स्थानीय स्तर पर बिक्री करने वालों तक जांच सीमित नहीं रखी, बल्कि सप्लाई चेन की जांच करते हुए मुख्य आपूर्तिकर्ता तक पहुंचकर उसे भी गिरफ्तार किया था। प्रभावी विवेचना, वैज्ञानिक साक्ष्यों और



अभियोजन के बाद न्यायालय ने तीनों को दोषी ठहराते हुए कठोर सजा सुनाई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 16 अक्टूबर 2025 को आमानाका थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जीई रोड, टाटीबंध स्थित एम्स अस्पताल के गेट नंबर चार के पास दो युवक ई-रिक्शा में नशीली कफ सिरप रखकर ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना के आधार पर उपनिरीक्षक मिनेश्वर बघेल और उनकी टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की।

पूछताछ में खुला सप्लाई चेन का राज

पुलिस ने युवराज सिंह चौहान और वाजिद खान से पूछताछ की तो नशीली सिरप की आपूर्ति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने यह सिरप दुर्ग जिले के चरोदा निवासी निहाल सिंह से खरीदी थी। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने जांच आगे बढ़ाते हुए निहाल सिंह को भी 16 अक्टूबर 2025 को गिरफ्तार कर लिया। इस तरह पुलिस ने स्थानीय स्तर पर नशीली सिरप बेचने वाले आरोपियों के साथ आपूर्ति करने वाले व्यक्ति को भी मामले में शामिल किया।

तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्य बने महत्वपूर्ण

मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने जब्त सिरप का न्यायालय के माध्यम से भौतिक सत्यापन और इन्वेंटरी संबंधी प्रक्रिया पूरी कराई। इसके बाद सिरप को वैज्ञानिक परीक्षण के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया। आरोपियों के मोबाइल नंबरों की सीएएफ (ष्टस्र) और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (ष्टष्ठक्र) भी प्राप्त किए गए। इन दस्तावेजों के माध्यम से आरोपियों के आपसी संपर्क और नशीली सिरप की सप्लाई से जुड़े साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने गवाहों के बयान, जब्ती संबंधी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को भी विवेचना में शामिल किया। जांच पूरी होने के बाद एनडीपीएस एक्ट की धारा 21(ष्ट) और 29 के तहत अभियोग पत्र तैयार कर 1 अप्रैल 2026 को विशेष न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया ।के तहत प्रत्येक अपराध में 20-20 वर्ष के सश्रम कारावास और दो-दो लाख रुपये अर्थदंड से दंडित किया। इस प्रकार उस पर कुल चार लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल